डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 अप्रैल 2026
बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
37.2 अधिकतम
21.2 न्यूनतम

Page-7

एमपी बोर्ड का रिजल्ट 16 साल में सबसे अच्छा, 12 वीं में भोपाल की खुशी व चांदनी टॉपर

रिजल्ट जारी करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेंडरी और हाई स्कूल परीक्षा 2026 का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सीएम हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में परिणाम जारी किया। इस बार का रिजल्ट पिछले 16 सालों में सबसे बेहतर रहा है। छात्राओं ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन कर बाजी मारी है। भोपाल की खुशी राय और चांदनी विश्वकर्मा ने बारहवीं में मेरिट में पहला स्थान हासिल किया है। दोनों ने 500 में से 494 अंक हासिल किए हैं। खुशी शिवाजी नगर स्थित सुभाष एक्सीलेंस स्कूल और चांदनी गुरुदेव शिक्षा केन्द्र नीलबड़, भोपाल की छात्रा हैं।

छात्राओं का पास प्रतिशत 79.41 फीसदी रहा, जबकि छात्रों का 72.39 फीसदी रहा। नियमित छात्रों का पास प्रतिशत 76.01 फीसदी रहा, जबकि स्वाध्यायी छात्रों का रिजल्ट 30.60 फीसदी दर्ज किया गया। जिलों में झाबुआ पहले और अनूपपुर दूसरे स्थान पर रहा। इस बार किसी भी छात्र को पूरक घोषित नहीं किया गया है, जबकि करीब 1 लाख 99 हजार छात्र फेल हुए हैं। नई शिक्षा नीति के तहत अब 7 मई 2026 से द्वितीय अवसर परीक्षा आयोजित की जाएगी, और विद्यार्थियों के लिए हेल्पलाइन नंबर 18002330175 भी जारी किया गया है।

दसवीं में 73.42 फीसदी विद्यार्थी उत्तीर्ण

हाई स्कूल दसवीं में कुल 73.42 फीसदी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। पन्ना की प्रतिभा सोलंकी रही स्टेट टॉपर स्टेट टॉपर रही हैं। शासकीय स्कूलों का परिणाम 76.80 फीसदी रहा, जो निजी स्कूलों के 68.64 फीसदी से अधिक है। इससे सरकारी स्कूलों के बेहतर प्रदर्शन का संकेत मिलता है। मेरिट लिस्ट में 378 विद्यार्थियों ने जगह बनाई, जिनमें 235 छात्राएं और 143 छात्र शामिल हैं। अनूपपुर 93.85 फीसदी के साथ पहले स्थान पर रहा। इस वर्ष पूरक परीक्षा की जगह द्वितीय अवसर परीक्षा का प्रावधान किया गया है। मुख्य परीक्षा में फेल, अनुपस्थित या अंक सुधारने वाले छात्र 7 मई 2026 से होने वाली इस परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।

प्रतिभा सोलंकी

12वीं में इन स्टूडेंट्स ने किया टॉप

नाम	स्कूल	अंक
	आर्ट्स ग्रुप	
श्रुति तोमर	द्रोण अकादमी मुरैना	489
आकाश अहिरवार	महाराजा उत्कृष्ट स्कूल छतरपुर	489
	विज्ञान-गणित	
श्लोक प्रजापति	नूतन बाल विद्या मंदिर सीहोर	493
	कॉमर्स	
चांदनी विश्वकर्मा	गुरुदेव शिक्षा केंद्र नीलबड़ भोपाल	494
खुशी राय	सुभाष उमावि शिवाजी नगर भोपाल	494
	कृषि	
तुलसी राजावत	उत्कृष्ट स्कूल नंबर-1 शिवपुरी	493
चंचल कुशवाह	इंडियन पब्लिक झींगुरा शिवपुरी	493
	ललित कला एवं गृह विज्ञान	
शाइस्ताह कुरैशी	कन्या उमावि नौगांव छतरपुर	485
	जीव विज्ञान समूह	
तन्वी कुमावत	तीरथबाई कलां उमावि इंदौर	492

10वीं में यह विद्यार्थी सबसे आगे

स्थान	नाम	नंबर	जिला
1	प्रतिभा सिंह सोलंकी	499	पन्ना
2	अक्षरा घोड़ेश्वर	498	बालाघाट
2	अभय गुप्ता	498	सीधी
3	योगेंद्र सिंह परमार	497	शहडोल
3	अनन्या वर्मा	497	सीधी
3	शिवम बोपचे	497	बालाघाट
3	अर्जुन सिंह राजपूत	497	पन्ना
3	अवनीश कुमार	497	सिंगरौली
3	हिमांशी धाकड़	497	भोपाल
3	निकिता फरकासे	497	छिंदवाड़ा

रिजल्ट देखने के लिए लिंक - स्टूडेंट्स घर बैठे अपना रिजल्ट देखने के लिए ऑफिशियल लिंक https://mpbse.mponline.gov.in और https://www.digilocker.gov.in/web/dashboard/issuers पर क्लिक कर सकते हैं।

बेंगलुरु-लखनऊ, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

छत्तीसगढ़ पावर प्लांट हादसे में अब तक 17 की जान गई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में अब तक 17 मौतें हो चुकी हैं। 4 की मौके पर ही जान गई, जबकि 6 की मौत रायगढ़ मेडिकल कॉलेज, 5 की जिला अस्पताल रायगढ़ और 2 की रायपुर के कालड़ा अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया था। हादसे में कुल 36 लोग झुलसे हैं, 18 घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है। फिलहाल 4 मृतकों की पहचान ठंडाराम और पप्पू कुमार और अमृत लाल पटेल (50) और यूपी के बृजेश कुमार के रूप में हुई है। बाकी की पहचान की जा रही है। हादसे के बाद प्लांट के बाहर मजदूरों के परिजन ने हंगामा किया।

पंजाब सरकार ने राघव चड्ढा की सुरक्षा छीनी

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी और उसके राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच का विवाद और बढ़ गया है। पंजाब की भगवंत मान की अगुआई वाली सरकार ने राघव चड्ढा की सिक्योरिटी छीन ली है। पंजाब के सहप्रभारी, सांसद और राज्यसभा में उपनेता होने के नाते राघव चड्ढा को पंजाब पुलिस की सिक्योरिटी मिली थी। आम आदमी पार्टी के दिल्ली के नेता सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि राघव चड्ढा को केंद्र सरकार ने जेड प्लस सिक्योरिटी दे दी है। केंद्र सरकार आखिर राघव चड्ढा पर इतनी मेहरबान क्यों है? हालांकि, चड्ढा के करीबी सूत्रों के मुताबिक अभी उन्हें केंद्र से सुरक्षा नहीं मिली है।

सोना आज 2,938 रु. बढ़ कर 1.53 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोना-चांदी के दाम में आज 1 तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,938 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 13 अप्रैल को इसकी कीमत 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 13,874 रुपए बढ़कर 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को इसकी कीमत 2.37 लाख रुपए प्रति किलो थी। एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं। दक्षिण भारत में ज्यादा खपत के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

आज का कार्टून

नाकाबंदी फेल होने के दावे पर अमेरिका ने कहा - 24 घंटे में कोई जहाज नहीं निकला

फिर धमकी - ईरानी तेल के चीनी जहाज रोकेंगे नाकेबंदी के लिए 10 हजार सैनिक हैं तैनात

लेबनान और इजराइल के बीच सकारात्मक बात, दूसरे दौर में फिर बैठेंगे

वॉशिंगटन डीसी/ तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने कहा है कि वह चीन को ईरानी तेल लेने से रोकेगा । होर्मुज के रास्ते ईरानी तेल ले जा रहे चीनी जहाजों को जाने नहीं दिया जाएगा। वहीं, यूएस आर्मी ने को दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी के लिए उसने 10,000 से ज्यादा सैनिक और करीब 12 नेवल शिप तैनात किए हैं। यह कार्रवाई उन सभी जहाजों पर लागू है, जो ईरान के बंदरगाहों में जा रहे हैं या वहां से निकल रहे हैं, चाहे वे किसी भी देश के हों। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि मंगलवार को ईरान से जुड़े 4 जहाज इस रास्ते से गुजरने में सफल रहे।

इस बीच दूसरी तरफ अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में लेबनान और इजराइल के बीच सीजफायर पर पहले दौर की वार्ता हुई। यह सकारात्मक बताई गई और दोनों अगले दौर की बातचीत के लिए राजी हुए। हालांकि, दूसरे दौर की वार्ता का दिन या समय अभी तय नहीं है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा है कि ईरानी तेल की बिक्री के लिए दी गई अस्थायी छूट अब कुछ दिनों में खत्म हो जाएगी और इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। उधर यूरोपीय देश युद्ध के बाद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही फिर से सामान्य करने के लिए एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गठबंधन की योजना बना रहे हैं। इस प्रस्तावित मिशन में अमेरिका को शामिल नहीं किया गया है। कनाडा ने लेबनान के लिए 40 मिलियन डॉलर की मदद का ऐलान किया है। यह मदद अंतरराष्ट्रीय संगठनों के जरिए पहुंचाई जाएगी। हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 34 सैन्य हमले किए हैं। संगठन के मुताबिक, इन हमलों में इजराइल की बस्तियों, सैनिक जमावड़ों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया।

अमेरिका ने रखीं बातचीत की शर्तें: अमेरिका ने ईरान के साथ बातचीत फिर से शुरू करने के लिए दो शर्तें रखी हैं। पहली शर्त यह है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह खोला जाए, ताकि जहाजों की आवाजाही सामान्य हो सके। दूसरी शर्त यह है कि इस्लामाबाद में होने वाले किसी भी समझौते को ईरान के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी मिले। कुल मिलाकर, एक तरफ जहां सैन्य दबाव और नाकाबंदी जारी है, वहीं दूसरी ओर कूटनीतिक कोशिशें भी तेज हो रही हैं. आने वाले दिनों में यह तय होगा कि यह बातचीत तनाव कम करती है या हालात और बिगड़ते हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने एक इंटरव्यू में दावा किया है कि यह युद्ध बस खत्म होने को है।

अमेरिका पर निर्भरता खत्म - सऊदी अरब

सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान ने अमेरिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका पर निर्भर रहने का दौर खत्म हो चुका है। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि जब वह अपने ही देश की सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं, तो सऊदी अरब की रक्षा कैसे कर पाएंगे। उनके इस बयान को क्षेत्रीय राजनीति में बदलते समीकरणों और अमेरिका पर घटती निर्भरता के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

पाक ने की युद्ध विराम 45 दिन बढ़ाने की मांग

पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे अस्थायी युद्धविराम को 45 दिन बढ़ाने की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के एक राजनयिक अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद बातचीत विफल होने के बाद से लगातार दोनों पक्षों और अन्य देशों के संपर्क में है, ताकि सीजफायर बढ़ाया जा सके या फिर तकनीकी स्तर की बातचीत दोबारा शुरू हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि मध्यस्थ देश दोनों पक्षों के बीच बातचीत कराने में मदद कर रहे हैं, ताकि कम से कम 45 दिन का विस्तार मिल सके और आगे की वार्ता का रास्ता तैयार हो सके।

78 साल में पहली बार पाटलिपुत्र में भाजपा का 'सम्राट'

पटना। बिहार के नए मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी ने शपथ ली। बिहार के इतिहास में पहली बार भाजपा का सीएम बना है। जनता दल यूनाइटेड के कोटे से दो उप मुख्यमंत्रियों विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ाः समाज की प्रेरक नारी शक्ति के साथ मुख्यमंत्री आज करेंगे सीधा संवाद

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज राजधानी में एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें पद्मश्री विजेता और समाज की प्रेरक महिलाएं शामिल होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस समारोह को संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री का कहना है कि सरकार का मुख्य उद्देश्य केवल कानून बनाना नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था और नीति-निर्माण की प्रक्रियाओं में महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी को सुदृढ़ करना है। सरकार चाहती है कि प्रदेश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की आवाज अधिक मुखर और प्रभावशाली हो। मुख्यमंत्री ने घोषणा के अनुसार भोपाल के रवीन्द्र भवन में राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम आज शाम 4 बजे होगा। इस अवसर पर विशेष एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जो प्राचीन काल से लेकर आधुनिक भारत तक महिलाओं के गौरवशाली इतिहास को दर्शाएगी। संसद में पारित ऐतिहासिक 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में 10 से 25 अप्रैल तक 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' मनाया जा रहा है। आज के कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित विभूतियां, प्रख्यात महिला चिकित्सक, वकील, कलाकार और इंजीनियर शामिल होंगी। इसके अलावा लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, स्व-सहायता समूहों की सदस्य, और मैदानी स्तर पर कार्य करने वाली पर्यवेक्षक व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बुलाया गया है। साथ ही मंत्री निर्मला भूरिया, संपतिया उइके, कृष्णा गौर, प्रतिभा बागरी और राधा सिंह सहित वरिष्ठ शिक्षाविद शोभा पेठणकर मौजूद रहेंगी। इस अभियान का दायरा केवल शहरों तक सीमित नहीं है। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया है।

नीति-निर्माण प्रक्रिया में महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी का उद्देश्य

चीन की धमकी के बाद मोदी से बात...ट्रम्प के मन में आखिर चल क्या रहा?

वॉर एनालिसिस

राजेश सिरोठिया

ईरान जंग रोकने के लिए सुलह के दूसरे दौर की बात पर डोनाल्ड ट्रम्प के मन में आखिर चल क्या रहा है ? चीन की सीधी धमकी के बाद उन्होंने भारत के पीएम नरेंद्र मोदी से बात की । फिर संकेत दिए कि एक दो - दिनों में इस्लामाबाद में दूसरे दौर की बात हो सकती है। ताजा अपडेट यह है कि उन्होंने चीन पर पलटवार के रूप में होर्मुज में चीनी तेलवाहक जहाजों को रोकने का ऐलान कर डाला है। अब इसे क्या समझा जाए?

ट्रम्प की पीएम नरेंद्र मोदी से चालीस मिनट की चर्चा पश्चिम एशिया और होर्मुज संकट पर केंद्रित थी । मोदी ने इस बात पर सहमति जताई की दुनिया के हितों की खातिर होर्मुज का खुलना जरूरी है । इससे ऐसा लगा कि पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई सुलह की कोशिशों में नाकामी के बाद ट्रम्प अब भारत की भूमिका को टटोल रहे हैं। ट्रम्प की यह सोच शायद शांति की दिशा में बड़ी और कारगर पहल साबित हो सकती है । इसकी पहली वजह है भारत स्वतंत्र राजनयिक और रणनीतिक स्वायत्तता की बुनियाद पर खड़ी अपनी विदेश नीति पर चलता आया है । उसके यूएसए, इजराइल और ईरान तीनों से बेहतर रिश्ते हैं। यह पाकिस्तान के साथ मुमकिन नहीं है। खासतौर से सऊदी अरब में पाकिस्तानी सेना और जहाजों के जाने के बाद ईरान इसे शायद ही मंजूर करेगा । कारण यही की पाकिस्तान अब पक्षकार है। वो मध्यस्थ कैसे हो सकता है ? इसी के चलते अब तटस्थ इलाके के रूप में जिनेवा पर भी विचार करने की ख़बरें हैं। ब्रिटेन से लेकर फ्रांस और जर्मनी सहित कई नाटो देश जंग रोकने के लिए भारत को आगे लाने की पैरवी कर रहे हैं लेकिन इसका फैसला होना बाकी है कि क्या ट्रम्प भारत को सुलह का चौधरी बनायेंगे? यह तभी मुमकिन है जब ट्रम्प पूर्ण युद्ध विराम के मूड में हों ? ट्रम्प को यह बात देर से ही समझ में आई या उनके थिंक टैंक ने समझाई हो कि भारत इस जंग से सम्मानपूर्वक बाहर निकलने में मददगार साबित हो सकता है । हालांकि यह सब कब और कैसे होगा ? किस कीमत पर होगा? यह अभी साफ नहीं ।

ट्रम्प को ईरान के जज्बात समझने होंगे

ट्रम्प को यह भी समझना होगा की जिस देश (ईरान) के दो दर्जन से ज्यादा टॉप लीडर इस जंग में मार दिए हों वह अमेरिकी शर्तों के आगे घुटने टेक देगा तो अपनी जनता को क्या मुँह दिखाएगा? उन नेताओं की शहादत को भुलाकर कैसे एकतरफा बात मान सकता है जिनके कारण देश में बेहद आक्रामक और हिंसक जेन जी मूवमेंट थम गया। और फिर बाद में पूरा देश एकजुट होकर अमेरिका और इजराइल के खिलाफ खड़ा हो गया। जिस परमाणु कार्यक्रम को लेकर ट्रम्प और नेतन्याहू को एतराज है उसकी वस्तुस्थिति का पता लगाने किसी स्वतंत्र और निष्पक्ष एक्सपर्ट्स का दल भेजा जा सकता है। ईरान तो इस बात के लिए भी राजी है कि परमाणु हथियारों के लिए बनी इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी का के दल से जांच करा ली जाये। परमाणु ऊर्जा के लिए यूरेनियम का बीस फीसदी संवर्धन ही पर्याप्त है जबकि एटॉमिक बम के लिए उसका नब्बे प्रतिशत संवर्धन जरूरी है। यूएसए का दावा है की ईरान ने यूरेनियम का साठ फीसदी संवर्धन कर लिया है जबकि ईरान उसके दावों को सिरे से ख़ारिज करता आया है। इंडिपेंडेंट एजेंसी से इसकी तस्दीक हो सकती है।

अनाधिकार चेष्टा से बचना जरूरी

जहाँ तक ईरान की मिसाइल क्षमता को ख़त्म करने की ज़िद ट्रम्प और नेतन्याहू की है, वह अनाधिकार चेष्टा के दायरे में आती है । भला कोई भी देश अपनी संप्रभुता की रक्षा की खातिर बनाए गए ऐसे हथियारों से कैसे तौबा कर सकता है जो उसकी यूएसपी हैं। क्या यूएसए इस बात के लिए राजी हो सकता है कि वह अपने रक्षा तंत्र के सबसे बड़े औजार यानी बंकर बस्टर बम को त्याग दे ? या एफ 35 जैसे फाइटर विमानों से तौबा कर सकता है, या फिर इसराइल दुनिया की सबसे तेज खुफिया एजेंसी मोसाद को कमजोर कर सकता है? सुलह के लिए शर्तों में लचीलापन और परस्पर सम्मान बरकरार होना आवश्यक कारक है । वार्ता कहाँ हो? कौन कराए? यह सब उतना महत्व नहीं रखता। दुनिया और मानवता की जंग रुकनी चाहिए।

सौंदर्यीकरण की पोल खुली... पुतलीघर रोड पर पेंटिंग्स के सामने कचरे का अंबार

भोपाल के सिंधी कॉलोनी स्थित पुतलीघर रोड पर नगर निगम द्वारा किए गए सौंदर्यीकरण कार्य की हकीकत अब सामने आने लगी है। दीवारों पर बनाई गई आकर्षक पेंटिंगें जहां शहर की सुंदरता बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार की गई थीं, वहीं आज उन्हीं पेंटिंगों के सामने कचरे का ढेर लगा हुआ है, जो पूरे प्रयास पर सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि कुछ समय पहले नगर निगम ने इस क्षेत्र को सुंदर बनाने के लिए दीवारों पर रंग-बिरंगी पेंटिंग्स बनवाई थीं। शुरुआत में यह पहल लोगों को काफी पसंद आई, लेकिन धीरे-धीरे सफाई व्यवस्था की अनदेखी के चलते हालात बिगड़ते चले गए। अब स्थिति यह है कि पेंटिंग्स के ठीक सामने कूड़ा जमा हो रहा है, जिससे न सिर्फ दृश्य खराब हो रहा है बल्कि गंदगी और बदबू से लोगों को परेशानी भी हो रही है। लोगों ने बताया कि नियमित सफाई नहीं होने के कारण यहां कचरा फैलता जा रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद भी नगर निगम का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि सौंदर्यीकरण केवल दिखावे तक सीमित रह गया है।

नगर निगम करा रहा अकुशल कर्मचारियों से पानी की जांच

भूजल में मिल चुका है जानलेवा बैक्टीरिया एनजीटी ने मांगी एक्शन टेकन रिपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के भूजल में जानलेवा ई-कोलाई बैक्टीरिया की पुष्टि हो चुकी है। इसके बाद भी नगर निगम द्वारा अकुशल कर्मचारियों से पानी की जांच कराई जा रही है, जिस पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। ट्रिब्यूनल ने भोपाल और इंदौर में पेयजल सुरक्षा और निगरानी में लंबे समय से हो रही विफलताओं पर चिंता जताते हुए राज्य सरकार से विशेषज्ञों की सूची मांगी है। एनजीटी में दायर याचिका के अनुसार, भोपाल नगर निगम पेयजल की जांच जैसे गंभीर कार्य के लिए विशेषज्ञों के बजाय अकुशल और अप्रशिक्षित अस्थाई कर्मचारियों का उपयोग कर रहा है।

अकुशल कर्मचारियों से जांच पर उठे सवाल

याचिकाकर्ता का तर्क है कि रसायनों और पानी की गुणवत्ता की जांच केवल प्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा ही की जानी चाहिए, क्योंकि गलत रिपोर्ट मासूम नागरिकों के जीवन को खतरे में डाल सकती है। दरअसल, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतें होने के बाद भोपाल में भी नगर निगम द्वारा पेयजल की जांच में ई-कोलाई बैक्टीरिया की पुष्टि हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले छह वर्षों में मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों में 5.45 लाख से अधिक लोग दूषित पानी से होने वाली बीमारी का शिकार हुए हैं। यह आंकड़ा सरकारी मशीनरी की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

पानी की किल्लत और सरकारी तंत्र की विफलता

भोपाल में हजारों लोग पिछले 15 दिनों से पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं और मजबूरी में टैंकरों पर निर्भर हैं। आरोप है कि नगर निगम समस्या सुलझाने के बजाय कई क्षेत्रों में जल आपूर्ति बंद कर देता है, जिससे जनता का सरकारी तंत्र पर से विश्वास उठ रहा है। यही स्थिति इंदौर में भी है, जहां पाइपलाइन लीकेज ठीक न होने के कारण 15 कालोनियों के 30 हजार से अधिक लोग पानी के लिए जूझ रहे हैं। अधिकरण ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन को 15 जनवरी 2026 के आदेश का पालन करने और तत्काल एक्शन टेकन रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता की मांग है कि पानी की जांच का जिम्मा आईआईटी जैसे संस्थानों को दिया जाए, जिस पर कोर्ट ने राज्य सरकार से प्रदेश में उपलब्ध विशेषज्ञ संस्थाओं के नाम तलब किए हैं। मामले की अगली सुनवाई 11 मई को होगी।

एयरलाइंस कंपनियों के फैसलों पर असर

युद्ध के हालात से डर रहे ट्रिस्ट कैंसिल करवा रहे हैं टूर पैकेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिडिल ईस्ट में बने युद्ध जैसे हालात का असर अब भोपाल के पर्यटन और एयर कनेक्टिविटी पर साफ नजर आने लगा है। दुबई-शारजाह जैसे लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए यात्रा करने वाले लोग अब अपने टूर पैकेज निरस्त करवा रहे हैं।

इसका सीधा असर एयरलाइंस कंपनियों के फैसलों पर पड़ा है, जो मौजूदा अस्थिर माहौल में नई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने से बच रही हैं। यही वजह है कि राजा भोज एयरपोर्ट से इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू होने की उम्मीद एक बार फिर टलती नजर आ रही है।

2 साल से इंतजार, सुविधा तैयार पर उड़ान नहीं

राजा भोज एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए जरूरी सभी बुनियादी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इमिग्रेशन काउंटर, ई-गेट और मनी एक्सचेंज जैसी सुविधाएं भी शुरू हो चुकी हैं। भारत सरकार ने एयरपोर्ट को कस्टम एयरपोर्ट का दर्जा भी दे दिया है, लेकिन इसके बावजूद एक भी अंतरराष्ट्रीय उड़ान अब तक शुरू नहीं हो सकी है।

एयरलाइंस कंपनियां नहीं ले रहीं जोखिम

समर शेड्यूल में किसी भी एयरलाइंस कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय रूट पर स्लॉट नहीं लिया। यहां तक कि इंदौर से दुबई-शारजाह के लिए संचालित उड़ान भी अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है। भोपाल को इस रूट से जोड़ने का प्रस्ताव भी सहमति के अभाव में अधर में लटक गया।

पर्यटन पर असर

युद्ध की आशंका के चलते पर्यटकों में असुरक्षा का माहौल है। ट्रैवल एजेंसियों के अनुसार, बड़ी संख्या में लोग अपने विदेश यात्रा प्लान कैंसल करवा रहे हैं, जिससे पर्यटन कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। इस साल शुरू हो सकती है उड़ान एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने के प्रयास लगातार जारी हैं। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के मुताबिक, हालात सामान्य होने पर इस वर्ष समर सीजन के बीच में एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू होने की उम्मीद है।

'किराये जा कांधी' और 'बारनि जा सपना' का मंचन 18 को

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

वीना कला एवं सेवा समिति द्वारा 18 अप्रैल शनिवार को एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जा रहा है। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज परिसर स्थित संत हिरदाराम ऑडिटोरियम में शाम 6 बजे से दो विशेष सिंधी नाटकों का मंचन किया जाएगा। यह कार्यक्रम संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज और सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, गांधीनगर के विशेष सहयोग से आयोजित किए जाएंगे।

इस नाट्य संध्या में पहला नाटक किराये जा कांधी है, जिसे वरिष्ठ साहित्यकार भगवान बाबाणी ने लिखा है। वहीं, दूसरा नाटक बारनि जा सपना युवा साहित्यकार राकेश शेवानी की लेखनी से निकला है। इन दोनों ही नाटकों का निर्देशन सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक और वरिष्ठ रंगकर्मीअशोक बुलाणी द्वारा किया गया है।

नाटकों में गुल पहलाजणी, मीना पहलाजणी, विजय ज्ञानचंदाणी, ज्योति चावला, राकेश शेवाणी, भावना जगवाणी, सरिता ख्याणी, कल्पना चंदाणी, स्वाति केवलानी, तन्मय वासवानी, लालचंद नाथाणी, महक केवलानी, हिमांशी ठाकुरानी, कृष शेवानी और हर्ष मूलचंदानी भूमिका निभाएंगे। समिति के अध्यक्ष राकेश शेवाणी ने बताया नाटकों के प्रदर्शन के बाद सभी आगंतुकों के लिए स्वादिष्ट सिंधी व्यंजनों की व्यवस्था रहेगी।

स्वास्थ्य शिविर में 500 से अधिक मरीजों का किया परीक्षण

भोपाल। मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर द्वारा हिनोतिया आलम स्थित परिसर में तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर के पहले दिन ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए 500 से अधिक मरीजों ने ओपीडी में पंजीकरण कराकर उपचार प्राप्त किया। गंभीर मरीजों को आईपीडी में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया है। इस शिविर में मरीजों को पंचकर्म जैसी आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधाएं भी पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनुराग सिंह राजपूत ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक सुलभ और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने की अपील की। शिविर 15 अप्रैल तक जारी रहेगा, जिसमें मधुमेह, ऑर्थराइटिस, माइग्रेन, हृदय, किडनी और स्त्री रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जा रहा है। साथ ही बीएमडी, एक्स-रे और अन्य पैथोलॉजिकल जांचें भी निशुल्क की जा रही हैं। कंप्यूटराइज नाड़ी परीक्षण और आवश्यक दवाइयों का वितरण भी मुफ्त किया जा रहा है। इस आयोजन में विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ इंटर्न और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का सक्रिय सहयोग मिल रहा है।

डिजिटल जनगणना : कल से पोर्टल एक्टिव होगा, पहली बार मकानों की जियो-टैगिंग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पहली बार जनगणना का काम पूरी तरह से डिजिटल होगा, जिसके तहत मकानों की जियो-टैगिंग से लेकर लोगों को ऑनलाइन स्वगणना का विकल्प भी दिया गया है। राजधानी में जनगणना का कार्य दो चरणों में होगा, जिसको लेकर पहले चरण की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पहला चरण कल से शुरू हो जाएगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में होगा। जनगणना के लिए करीब छह हजार अधिकारी व कर्मचारियों को लगाया गया है, जो कि मकानों की गणना व सूचीकरण का काम करेंगे। इसके लिए उन्हें बकायदा प्रशिक्षण दिया गया है। मकान सूचीकरण और प्रगणकों की नियुक्ति का खाका जानकारी के अनुसार भारत की जनगणना 2026-27 के तहत जनगणना कार्य निदेशालय के निर्देशानुसार जनगणना का प्रथम चरण शुरू किया गया है। इस चरण में मकान सूचीकरण, मकानों की गणना का कार्य किया जा रहा है, जिसमें घर-घर जाकर भवन-मकान नंबर अंकन, अनुमानित परिवार संख्या, मुखिया का नाम, निवास का स्वरूप (आवासीय/अनावासीय) सहित अन्य आवश्यक जनगणना संबंधी आंकड़ों का संग्रहण किया जाएगा। जिसके लिए हाउस लिस्टिंग ब्लाक (एचएलबी) बनाए गए हैं। शहरी क्षेत्रों को 25 चार्जों में बांटा गया है और पांच हजार 42 प्रगणकों की नियुक्ति की गई है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र के चार्जों में 907 प्रगणकों की नियुक्ति की गई है, एक प्रगणक को 200 मकानों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ग्रामीण क्षेत्र में 04 चार्ज बनाए गए हैं जिसमें बैरसिया नगर परिषद, बैरसिया ग्रामीण, हुजूर व कोलार के साथ ही उनके कार्यों की निगरानी के लिए प्रत्येक छह प्रगणकों पर एक पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई है।

एक मई से शुरू होगा सूचीकरण

जिले में चार्ज स्तर पर 15 से 25 अप्रैल तक प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। जिसमें कर्मचारियों को प्रथम चरण के तहत किए जाने वाले कार्यों मकान नंबरिंग की प्रक्रिया, सूचीकरण के दौरान सावधानियां, घर-घर भ्रमण की कार्ययोजना, अभिलेखों की शुद्धता, समय-सीमा के पालन, आम नागरिकों से समन्वय बनाकर कार्य करना आदि की जानकारी दी जाएगी।

मृत गोवंश के लिए रात में वाहन नहीं दिन में ले कचरा गाड़ी से ले जाते हैं

श्री राधा कृष्णा गौ सेवा संबोधन सोसायटी निगम को सौंपेगी ज्ञापन

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

श्री राधा कृष्णा गौ सेवा संबोधन सोसायटी ने गोवंश की सुरक्षा और सम्मान के नगर निगम के दावों पर सवाल उठाया है। एक बयान में कहा है कि लालघाटी क्षेत्र में गौमाता और उसके बछड़े को उचित सम्मान तक नहीं मिल सका। बताया गया है कि सोसायटी के कार्यकर्ताओं को देर रात करीब 2 बजे विजयनगर, लालघाटी से सूचना मिली कि एक गाय का असमय प्रसव (करीब 7वें महीने में) होने के कारण गाय और उसके बच्चे दोनों की मृत्यु हो गई है। सोसायटी कार्यकर्ताओं ने नगर निगम से संपर्क किया, ताकि मृत गोवंश को सम्मानपूर्वक ले जाया जा सके, लेकिन निगम की ओर से रात के समय कोई भी सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई। अंत में, सोसायटी को अपने निजी सेवा वाहन से मृत गाय और बच्चे को नगर निगम डिपो तक पहुंचाना पड़ा। सोसायटी का कार्यकर्ताओं का कहना है कि राजधानी में रात्रि के समय मृत गोवंश को उठाने की कोई व्यवस्था ही नहीं है। इससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि दिन के समय जो व्यवस्था है, उसमें गोवंश को कचरा ढोने वाली गाड़ियों में लादकर ले जाया जाता है। सेवा सोसायटी ने निर्णय लिया है कि वे नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को इस संबंध में औपचारिक आवेदन सौंपेंगे, जिसमें मृत गोवंश को ले जाने के लिए स्वच्छ और समर्पित वाहन की सुविधा, देर रात्रि में भी गोवंश के लिए वाहन सेवा उपलब्ध कराई जाने, कचरा गाड़ियों में गोवंश को ले जाने की प्रथा पर तत्काल रोक लगाने की मांग की जाएगी।

मेट्रो एंकर — उच्च शिक्षा विभाग जल्द जारी करेगा काउंसलिंग का विस्तृत कार्यक्रम

बारहवीं उतीर्ण छात्रों को कॉलेजों में प्रवेश देने की तैयारी पूरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश बोर्ड के 12वीं के नतीजे आज आए हैं। विभाग ने इसके लिए पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी हैं। विभाग जल्द ही कॉलेजों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग का विस्तृत कार्यक्रम जारी करेगा, ताकि विद्यार्थियों को समय पर जानकारी मिल सके और वे आसानी से अपनी पसंद के कॉलेज और विषय का चयन कर सकें।

विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष कॉलेजों में स्नातक के पहले वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया के लिए नीति तैयार कर ली है। जैसे ही 12 वीं का रिजल्ट आएगा, वैसे ही प्रवेश नीति की घोषणा कर दी जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएगी। पंजीयन, चॉइस फिलिंग, दस्तावेज सत्यापन और सीट आवंटन जैसी सभी प्रक्रियाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए पूरी होंगी। इससे विद्यार्थियों को बार-बार कॉलेज जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सरल बन सकेगी।

अप्रैल अंत तक पोर्टल पर जानकारी होगी अपलोड: उच्च शिक्षा विभाग ने सोमवार को प्रदेश के सभी सरकारी और निजी कॉलेजों को निर्देश दिए हैं कि सीटों की संख्या, उपलब्ध विषय, संकाय, और मेरिट सूची से जुड़ी सभी जरूरी जानकारी अप्रैल के अंत तक पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड कर दी जाए। इससे विद्यार्थियों को समय रहते सही जानकारी मिल सकेगी और प्रवेश प्रक्रिया में किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति नहीं बनेगी। विभाग के अनुसार ऑनलाइन सिस्टम से समय की बचत के साथ-साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना भी बहुत कम होती है। इसके लिए कॉलेजों में हेल्प डेस्क बनाए जाएंगे, जिससे प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इन हेल्प डेस्कों पर विद्यार्थियों को पंजीयन, दस्तावेज अपलोड, काउंसलिंग प्रक्रिया और मेरिट सूची से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर तकनीकी सहायता भी उपलध कराएंगे।

विभाग का लक्ष्य इस बार शैक्षणिक सत्र को तय समय पर शुरू करना है। इसी कारण रिजल्ट से लेकर एडमिशन तक की पूरी प्रक्रिया को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने की योजना बनाई गई है। अधिकारियों का मानना है कि समयबद्ध व्यवस्था से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी और कॉलेजों में नियमित रूप से कक्षाएं शुरू की जा सकेंगी।

नारी शक्ति नेतृत्व का नवयुग

‘नारी शक्ति वंदन’ सम्मेलन

15 अप्रैल, 2026 | रवीन्द्र भवन, भोपाल

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

“

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण सुनिश्चित करने वाला **‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’** नारी शक्ति के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्त भविष्य का ऐतिहासिक संकल्प है। इस युगांतरकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री जी का हृदय से **अभिनंदन एवं आभार**

”

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

सशक्त नारी, सशक्त देश

राज्य स्तरीय नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा
(10 -25 अप्रैल 2026)

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11006/26

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. जनसंपर्क/2026

संकट और बेबस व्यवस्था

गेहूं खरीदी शुरू होने से ठीक पहले एक बार फिर वही पुरानी समस्या सामने आ गई है- बारदाने की भारी कमी और भंडारण का संकट। जिले में हालात इतने खराब हैं कि महज 1 से 3 फीसदी बारदाने के भरोसे पूरी खरीदी प्रक्रिया शुरू की जा रही है। सवाल यह है कि जब हर साल यही स्थिति बनती है, तो आखिर पहले से तैयारी क्यों नहीं होती? प्रशासन के आंकड़े ही इस व्यवस्था की हकीकत बयां कर रहे हैं। जिले में करीब 2.5 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का अनुमान है, लेकिन भंडारण के लिए केवल 62 हजार मीट्रिक टन की ही जगह उपलब्ध है। यानी करीब 1.88 लाख मीट्रिक टन गेहूं के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं है। ऐसे में साइलो बैग जैसे अस्थायी उपायों पर भरोसा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि 1 लाख मीट्रिक टन भंडारण के लिए साइलो बैग की मांग की गई थी, लेकिन मंजूरी सिर्फ 45 हजार मीट्रिक टन की मिली है। इससे साफ है कि समस्या का समाधान आधाअधूरा ही किया जा रहा है। जमीन की तलाश जारी है और रेउरा फार्म का नाम चर्चा में है, लेकिन जब तक ये व्यवस्थाएं जमीन पर नहीं उतरतीं, तब तक राहत मिलना मुश्किल है। रीवा संभाग के अन्य जिलों की स्थिति भी अलग नहीं है। जरूरत के मुकाबले केवल 5 फीसदी बारदाने ही उपलब्ध हैं। सतना में 9122 के मुकाबले 318 और मैहर में 2617 के मुकाबले सिर्फ 20 गठान ही मौजूद हैं। ऐसे में खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से चल पाएगी, इस पर संदेह बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा आम है कि हर साल खरीदी के समय यही संकट खड़ा होता है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जाते। किसान भी असमंजस में हैं कि उनकी उपज का क्या होगा- समय पर खरीदी होगी या फिर इंतजार करना पड़ेगा। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब हर साल गेहूं खरीदी का समय तय होता है और उत्पादन का अनुमान भी पहले से होता है, तो फिर बारदाने और भंडारण की व्यवस्था पहले से क्यों नहीं सुनिश्चित की जाती? क्या यह केवल लापरवाही है या फिर व्यवस्था की वह जड़ता, जो हर बार संकट को टालती है, सुलझाती नहीं? फिलहाल हालात यह संकेत दे रहे हैं कि इस बार भी खरीदी प्रक्रिया चुनौतियों से घिरी रहेगी। अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इसका सीधा असर किसानों की आय और पूरे कृषि तंत्र पर पड़ेगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इस बार भी अस्थायी उपायों से काम चलाता है या फिर कोई दीर्घकालिक समाधान की दिशा में पहल करता है।

जन्म दिवस पर विशेष

डॉ. नरोत्तम मिश्रा: राजनीति के अंगने में सनातन ध्वजा के संवाहक

डॉ. दुर्गेश केसवानी
मप्र भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता

भारतीय राजनीति में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल सत्ता के समीकरणों में न फंसकर, एक विचारधारा, संस्कृति और अडिग विश्वास का प्रतीक बन जाते हैं। मध्य प्रदेश की राजनीति में 'संकटमोचक' के रूप में चर्चित पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। उनका जीवन और कार्य हमें यह संदेश देते हैं कि राजनीति केवल अवसरवादिता तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह समाज के सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों की रक्षा का एक पवित्र दायित्व भी है।

15 अप्रैल 1960 को ग्वालियर की ऐतिहासिक भूमि पर जन्मे डॉ. नरोत्तम मिश्रा के व्यक्तित्व में चंबल की प्रचंडता और ग्वालियर की सांस्कृतिक गरिमा का अद्वितीय सम्मिलन है। उनकी शिक्षा और जीवन के प्रारंभिक संघर्षों ने उन्हें न केवल अकादमिक रूप से सशक्त किया, बल्कि उनके भीतर राष्ट्रवाद, सनातन संस्कृति और धर्म के प्रति अडिग श्रद्धा का बीज भी रोपित किया। डॉ. मिश्रा का राजनीति में प्रवेश केवल एक पेशेवर विकल्प नहीं था, बल्कि यह समाज की सेवा और भारतीय संस्कृति की रक्षा का संकल्प था। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने हमेशा यह कहा है कि भारत की आत्मा उसके मंदिरों, ग्रंथों और परंपराओं में बसी है। गृह मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में, मध्य प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और मंदिरों के जीर्णोद्धार की जो पहल की, वह उनकी इस दृष्टि का सशक्त प्रमाण है। उज्जैन के 'महाकाल लोक' से लेकर ओरछा के 'राम राजा लोक' तक, उन्होंने हर कदम पर सनातन की गरिमा को पुनर्निर्मित किया। इन प्रयासों ने न केवल राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को फिर से जीवित किया, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था का नया केंद्र भी स्थापित किया। डॉ. मिश्रा का सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार उनका स्पष्ट दृष्टिकोण और साहसिक निर्णय थे। जब भी सनातन संस्कृति पर हमलावर शक्तियाँ सामने आईं, उन्होंने उनके खिलाफ हमेशा अपनी आवाज उठाई। लव जिहाद पर कड़ा कानून लागू करना हो या धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने के लिए कानून बनाना, डॉ. मिश्रा ने यह सुनिश्चित किया कि धर्म की मर्यादाओं की रक्षा के लिए कानून उतना ही कठोर और स्पष्ट रहे जितना समाज के अन्य मुद्दों पर होता है।

डॉ. मिश्रा का सनातन धर्म के प्रति प्रेम दतिया में बने नवग्रह मंदिर में जीवित रूप से देख सकते हैं। दतिया को 'लघु वृंदावन' का दर्जा दिलाने में उनका अत्यधिक योगदान है, और नवग्रह मंदिर का निर्माण उनके जीवन का एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक कार्य है। यह मंदिर न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि सनातन धर्म के ज्योतिषीय और स्थापत्य विज्ञान का अद्वितीय संगम भी है।

दतिया का नवग्रह मंदिर दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां नौ ग्रहों के अधिष्ठाता देवों की भव्य मूर्तियाँ शास्त्रों के अनुसार स्थापित की गई हैं। यह मंदिर न केवल आध्यात्मिक शांति का केंद्र है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और खगोलशास्त्र का एक अद्वितीय संगम भी प्रस्तुत करता है। मंदिर की स्थापत्य कला में उत्तर और दक्षिण भारतीय कला का मिश्रण है, जो डॉ. मिश्रा की कलात्मक दृष्टि और संस्कृतिपरक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

यह नवग्रह मंदिर दतिया को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान प्रदान करता है। लाखों श्रद्धालु यहाँ आकर ग्रहों की शांति और आध्यात्मिक उन्नति के लिए पूजा अर्चना करते हैं। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसरों में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

डॉ. मिश्रा को उनके प्रभावशाली भाषणों और वाकपटुता के लिए भी जाना जाता है। चाहे वह विधानसभा में हो या प्रेस कांफ्रेंस में, वे सनातन धर्म विरोधी नरेटीव को तथ्यों और तर्कों से ध्वस्त कर देते हैं। वे हमेशा कहते हैं, 'सनातन वह प्रवाह है जिसे कोई भी बांध नहीं सकता।' उनके भाषण युवाओं को प्रेरित करते हैं कि वे अपनी सांस्कृतिक धरोहर पर गर्व करें और उसे राजनीति के माध्यम से प्रोत्साहित करें।

डॉ. मिश्रा ने हमेशा संस्कृति की रक्षा के लिए आवाज उठाई है। चाहे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर सनातन प्रतीकों का अपमान हो, या कहीं अन्यत्र सनातन के विरुद्ध कुछ हो, डॉ. मिश्रा हमेशा उसके खिलाफ खड़े हुए। उनका मानना है कि राजनीति को धर्म (कर्तव्य) के अंकुश में रहकर ही चलाना चाहिए।

सादगी और पारंपरिकता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, डॉ. मिश्रा ने यह सिद्ध किया है कि सत्ता के शीर्ष पर रहते हुए भी अपनी संस्कृति और परंपराओं से नाता तोड़ा नहीं जा सकता। उनकी पारंपरिक वेशभूषा और अनुष्ठान उनके सनातन धर्म के प्रति अडिग समर्पण को दर्शाते हैं। आज, डॉ. नरोत्तम मिश्रा के जन्मदिवस पर मध्य प्रदेश और देशभर से उन्हें शुभकामनाएं दी जा रही हैं। वे केवल एक राजनेता नहीं हैं, बल्कि वे उन करोड़ों सनातनी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जो अपनी संस्कृति को राजनीति के माध्यम से सशक्त देखना चाहते हैं। दतिया में बना नवग्रह मंदिर उनके विराट व्यक्तित्व और सनातन धर्म के प्रति अडिग निष्ठा का प्रतीक है, जो आने वाली शताब्दियों तक उनके योगदान को याद दिलाता रहेगा।

डॉ. मिश्रा का जीवन हमें यह सिखाता है कि आधुनिकता की दौड़ में भी हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए। वे सनातन की ध्वजा के वाहक हैं, जो विकास और विरासत के संतुलन को समझते हैं। उनकी यह वैचारिक दृढ़ता और धर्म के प्रति अडिग निष्ठा राजनीति को एक नई दिशा प्रदान करेगी। डॉ. नरोत्तम मिश्रा को जन्मदिवस की अनंत शुभकामनाएं!

- यह लेखक के अपने विचार हैं।

विश्व कला दिवस पर विशेष

रंग राग और रचना, मनुष्य को संवेदनशील और मानवीय बनाती कला का उत्सव

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

15 अप्रैल को प्रतिवर्ष विश्व कला दिवस (वर्ल्ड आर्ट डे) के रूप में मनाया जाता है।विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है। कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है।कला केवल एक सुंदर चित्र,या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है। वास्तव में, यह यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने, कलाकारों को सम्मान और पहचान दिलाने,समाज में संवाद, शांति और एकता को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में कला के महत्व को उजागर करने तथा युवाओं को कला के प्रति प्रेरित करने के क्रम में हर साल मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला हमारे जीवन को सुंदर, अर्थपूर्ण और संवेदनशील बनाती है।अनेक शोध यह बताते हैं कि कला (जैसे पेंटिंग, संगीत, लेखन) तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होती है और यह दिवस चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्य जैसी विभिन्न कला विधाओं को समर्पित है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य और कला का संबंध अत्यंत गहरा, स्वाभाविक और प्राचीन है। जब से मानव सभ्यता का आरंभ हुआ, तब से ही मनुष्य ने अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए कला का सहारा लिया। प्रारंभिक मानव ने गुफाओं की दीवारों पर चित्र बनाकर अपने जीवन, शिकार और प्रकृति के साथ संबंध को दर्शाया-और यहीं से वास्तव में कला और मनुष्य का यह अनोखा रिश्ता शुरू हुआ।सच तो यह है कि कला मनुष्य की संवेदनाओं की पूर्ण व अनोखी अभिव्यक्ति है। खुशी, दुःख, प्रेम, क्रोध, आशा और निराशा जैसे भाव जब शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं हो पाते, तब कला उन्हें रूप, रंग, संगीत, नृत्य या साहित्य के माध्यम से जीवंत बना देती है। इस प्रकार कला मनुष्य के भीतर की दुनिया को(आंतरिक भावों, संवेदनाओं) बाहर लाने का माध्यम बनती है।कला केवल अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि यह तो मनुष्य के आत्मिक संतुलन और मानसिक शांति (मेंटल सूदिंग) का भी साधन है। चित्रकारी, संगीत या लेखन जैसे कलात्मक कार्य मनुष्य को तनाव से दूर ले जाकर उसे सृजनात्मक आनंद प्रदान करते हैं। शायद यही कारण भी रहा है कि हर युग में कला ने मानव जीवन को सुंदर और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इसके अलावा, कला समाज और संस्कृति का दर्पण भी होती है। किसी भी देश या समाज की परंपराएँ, रीति-रिवाज, इतिहास और जीवन शैली कला के विभिन्न रूपों में झलकते हैं। इस तरह कला न केवल व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है, बल्कि उसे अपने समाज और उसकी जड़ों से भी जोड़ती है। आधुनिक युग में भी यह संबंध उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि और भी व्यापक हो गया है। डिजिटल आर्ट, एनीमेशन, फिल्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के माध्यम से कला के नए-नए रूप सामने आ रहे हैं, जो मनुष्य की रचनात्मकता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहे हैं। हाल फिलहाल, इस दिवस पर देश-विदेश में विभिन्न स्कूल, कॉलेज और सांस्कृतिक संस्थान इस दिन प्रदर्शनी, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं, आर्ट फेस्टिवल और लाइव पेंटिंग इवेंट्स आदि आयोजित करते हैं। आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है और ऐसे समय में आजकल सोशल मीडिया पर भी कलाकार अपनी कला साझा कर जागरूकता फैलाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है।इसकी शुरुआत अंतरराष्ट्रीय कला संघ द्वारा की गई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय कला संघ यूनेस्को से जुड़ा हुआ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार इसे वर्ष 2012 में मनाया गया था तथा 15 अप्रैल का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि यह महान कलाकार लियोनार्डो दा विंची का जन्मदिन है, जिन्हें कला और विज्ञान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।सरल शब्दों में कहें तो लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन (15 अप्रैल) को समर्पित है, जो विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुसंस्कृतिवाद के प्रतीक हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में यूनेस्को ने इस दिन को आधिकारिक रूप से मान्यता दी, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और मजबूत हुई।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 में इसकी थीम-अभिव्यक्ति का बगीचा-कला के माध्यम से समुदाय का निर्माण रखी गई थी। वास्तव में, इस थीम का उद्देश्य था कि कला के जरिए लोगों को जोड़ना, देश और समाज में सामुदायिक भावना को मजबूत करना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना।इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम-एकता और उपचार के लिए कला रखी गई है। यह थीम दुनिया भर में बढ़ती विभिन्नताओं और तनावों के बीच कला की जोड़ने वाली शक्ति पर जोर देती है। यह कला ही होती है जो मानसिक और भावनात्मक उपचार (हीलिंग) में मदद करती है।

अंततः यह बात कही जा सकती है कि मनुष्य और कला का संबंध आत्मा और अभिव्यक्ति का संबंध है-एक के बिना दूसरा अधूरा है। कला मनुष्य को केवल जीवित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील, सृजनशील और मानवीय बनाती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

यूरिक एसिड से बचना है तो ध्यान से लें सोडा-जूस-सीफूड, जोड़ों में बनाते हैं क्रिस्टल

यूरिक एसिड एक नेचुरल वेस्ट प्रोडक्ट है, जो प्यूरीन के टूटने से बनता है।इससे बचने के लिए सोडा, सीफूड, रेड मीट, बीयर जैसे कुछ फूड्स का सेवन बंद या लिमिट में करना चाहिए। जूस पीते हुए भी ध्यान दें कि यह पैकेटबंद या डिब्बाबंद ना हो, बल्कि ताजा हो। सर्टिफाइड डायबिटीज एडुकेटर और डाइटिशियन डॉ. अर्चना बत्रा के अनुसार यूरिक एसिड खून में घुल जाता है और पेशाब के साथ बाहर निकल जाता है। लेकिन जब शरीर में यूरिक एसिड का उत्पादन ज्यादा हो जाए या यूरिक एसिड के बाहर निकलने की रफ्तार धीमी हो जाए तो शरीर में इसका लेवल बढ़ने लगता है। इस स्थिति को मेडिकल भाषा में हाइपरयूरिसीमिया कहा जाता है।

जोड़ों में बन जाते हैं क्रिस्टल: लंबे समय तक यूरिक एसिड का लेवल बढ़ा हुआ रहने से जोड़ों के बीच छोटे-छोटे क्रिस्टल बन जाते हैं, जिससे गाउट (गठिया) नाम की दर्दनाक बीमारी होती है। डॉ. अर्चना बत्रा अपने पेशेंट्स को यूरिक एसिड लेवल को नॉर्मल लेवल में रखने की सलाह देती हैं। पुरुषों का यूरिक एसिड 3.4 से 7.0 mg/dL के बीच और महिलाओं का यूरिक एसिड 2.4 से 6.0 mg/dL के बीच रहना चाहिए।

रेड मीट और ऑर्गन मीट: डाइटिशियन के मुताबिक, रेड मीट और ऑर्गन मीट (जानवरों का लिवर-किडनी) का अत्यधिक सेवन करने पर यूरिक एसिड के लेवल में बढ़ोतरी होती है। इन मीट के अंदर प्यूरीन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, इसलिए यह यूरिक एसिड बढ़ाने में सीधी भूमिका निभाते हैं। जब मरीज इनका सेवन कम करते हैं, तो उनके जोड़ों के दर्द और फ्लेयर अप में तेजी से कमी आती है। खासतौर से जिन मरीजों का यूरिक एसिड बढ़ा हो, लाइफस्टाइल सुस्त हो या गाउट की फैमिली हिस्ट्री हो, उन्हें इन मीट का सेवन लिमिट में ही करना चाहिए।

सीफूड: एक्सपर्ट के मुताबिक, सीफूड का सेवन करते हुए भी ध्यान रखना चाहिए। मछलियों को हेल्दी फूड माना जाता है, लेकिन इनके अंदर प्यूरीन की मात्रा काफी होती है। खासकर सार्डिन, एंकोवी और शैलफिश का सेवन कम करना चाहिए। बढ़े हुए यूरिक एसिड से परेशान लोग अगर इन मछलियों का थोड़ी मात्रा में भी सेवन करते हैं तो उनका लेवल तेजी से बढ़ सकता है, जिससे जोड़ों का दर्द गंभीर हो जाता है। इन सीफूड प्रोडक्ट्स का सेवन कम करके यूरिक एसिड लेवल को स्थिर रख सकते हैं और जोड़ों में सूजन व अकड़न से राहत पा सकते हैं।

ऐल्कोहॉल: ऐल्कोहॉल भी यूरिक एसिड बढ़ाती है, जिसमें बीयर का रोल सबसे ज्यादा है। यह यूरिक एसिड बढ़ाने के साथ किडनी का फंक्शन भी कम कर देती है, जिससे यह वेस्ट प्रोडक्ट बाहर नहीं निकल पाता। जहां ऐल्कोहॉल में पहले से प्यूरीन की मात्रा होती है, वहीं बीयर बनाने के लिए उसमें डाला जाने वाला यीस्ट भी प्यूरीन से भरा होता है। जो लोग यूरिक एसिड को घटाने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें ऐल्कोहॉल और बीयर से बिल्कुल दूरी बना लेनी चाहिए।

सुविचार

क्रोध से भ्रम पैदा होता है, भ्रम से बुद्धि व्यग्र होती है। जब बुद्धि व्यग्र होती है तब तर्क नष्ट हो जाता है और जब तर्क नष्ट हो जाता है तब व्यक्ति का पतन हो जाता है।

-अज्ञात

निशाना

स्वार्थ साधे यही कामना है..!

कान्ति शुक्ला

स्वार्थ साधें यही कामना है।
खो गई नेह की भावना है।
है नहीं आज आश्वस्त कोई
यंत्र सी हो गई चाहना है।
क्रोध आवेश की ग्रंथियां हैं
हो रही शून्य सी चेतना है।
बांट लें वेदना जो किसी की
प्रेरणा सी नहीं सांत्वना है।
भ्रांत से हो गए ये युवा भी
आत्मघाती हुई वांछना है।

यूजर्स गाइड

पेमेंट फेल होने पर फिर से ट्रेन टिकट बुक करने का मौका, IRCTC ऐप पर नया फीचर

अक्सर ट्रेन का टिकट बुक करते समय उस समय बहुत परेशानी होती है, जब अकाउंट से पैसे तो कट जाते हैं, लेकिन टिकट बुक नहीं होती। ऐसे में सीट भी हाथ से चली जाती है और पैसे भी तुरंत वापस नहीं मिलते। हालांकि कम ही लोग जानते हैं कि IRCTC का एक खास फीचर है, जिसे अगर इस्तेमाल किया जाए तो पेमेंट फेल होने पर दोबारा पैसे दिए बिना उसी कटे हुए अमाउंट से तुरंत टिकट बुक कर सकते हैं।

इस फीचर का नाम Resume Retry Booking फीचर है, जिसकी मदद से पेमेंट कैंसिल होने पर भी आप बुकिंग उसी कटी हुई राशि से कर सकते हैं। यह फीचर तब काम आता है, जब अलग-अलग कारणों से पेमेंट फेल हो जाती है और अकाउंट से पैसा कट जाता है लेकिन बुकिंग नहीं हो पाती। ध्यान रहे कि इस फीचर का फायदा उठाने के लिए टिकट बुक करते समय पेमेंट गेटवे पर IRCTC iPay को चुनना जरूरी होता है।

इससे न सिर्फ केवल आपकी ट्रांजैक्शन तेज होती है, बल्कि पेमेंट फेल होने की स्थिति में आपको दोबारा अपनी जेब से पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती। टिकट बुक करते समय पेमेंट फेल होने के चलते बुकिंग न हो पाना आम बात है। Resume Retry Booking फीचर इसी समस्या का हल है। अक्सर पेमेंट गेटवे पर तकनीकी खराबी या बैंक सर्वर डाउन होने से पेमेंट फेल हो जाता है। इसके बाद यात्रियों को दोबारा ट्रेन सर्च और यात्रियों की डिटेल भरने की मशक्कत तो करनी ही पड़ती है, साथ में फिर से पैसे भी खर्चने पड़ते हैं। नया फीचर पूरी प्रक्रिया शुरू से दोहराने से बचाता है और आप दोबारा वहीं से पेमेंट कर सकते हैं। इससे समय बचता है और तत्काल बुकिंग जैसे मौकों पर कंफर्म टिकट मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

ऐसे बुक करें टिकट: टिकट बुक करते हुए पेमेंट पेज पर उपलब्ध ऑप्शन्स में से IRCTC iPay को चुनें। इसके अंदर आप क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या UPI में से किसी भी तरीके से पेमेंट पूरी कर सकते हैं। अब अगर पेमेंट फेल हो जाती है लेकिन बैंक खाते से पैसे कट जाते हैं और टिकट बुक नहीं हो पाता, तो Resume/Retry के ऑप्शन पर क्लिक करें। चूंकि आपने iPay का चुना था इसलिए IRCTC का सर्वर पहचान लेगा कि इस ट्रांजैक्शन आईडी के लिए पैसा पहले ही कट चुके हैं। ऐसे में सिस्टम आपसे दोबारा पेमेंट नहीं मांगेगा। वह पुराने पेमेंट को ही इस बुकिंग के साथ लिंक कर देगा और आपका टिकट जेनरेट हो जाएगा। यह फीचर तभी काम करेगा जब आप iPay गेटवे का इस्तेमाल करें। अन्य बैंक एग्रीगेटर्स जैसे कि HDFC, ICICI, या Paytm Gateway का पैसा बैंक के पास चला जाता है, जिसे IRCTC तुरंत इस्तेमाल नहीं कर सकता।

इस फीचर के काम करने के लिए जरूरी है कि नई बुकिंग का कुल अमाउंट पिछली फेल हुई बुकिंग के बराबर होना चाहिए। अगर अमाउंट घटता-बढ़ता है, तो यह फीचर काम नहीं करेगा।

वायरल कंटेंट

डर से सकारात्मक सोच तक, पाक महिला का मुंबई एयरपोर्ट पर 10 घंटे का अनुभव

में एक पाकिस्तानी महिला का अनुभव इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। लंदन से नेपाल जा रही इस महिला की फ्लाइट का ट्रांजिट मुंबई में था, और उन्होंने अपने इस सफर को वीडियो के जरिए शेयर किया है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। महिला ने इंस्टाग्राम पर अपने वीडियो में बताया कि उनकी कनेक्टिंग फ्लाइट मुंबई से थी और इस दौरान उनके मन में सुरक्षा और नियमों को लेकर काफी घबराहट थी।

उन्होंने पहले ही एहतियात के तौर पर एक महीने पहले IndiGo एयरलाइंस से संपर्क किया था। एयरलाइंस की ओर से उन्हें भरोसा दिलाया गया कि जब तक वे ट्रांजिट एरिया में रहेंगी और एयरपोर्ट से बाहर नहीं जाएंगी, उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद उनका अनुभव उनकी उम्मीदों से बिल्कुल अलग रहा। उन्होंने बताया कि वहां का स्टाफ बेहद विनम्र और मददगार था, जिसने उनके सफर को आसान बना दिया। ट्रांजिट के दौरान उन्होंने एयरपोर्ट पर खाना खाया, थोड़ा आराम किया और ऊंचाई से शहर के खूबसूरत नजारों का आनंद भी लिया।

महिला ने कहा कि उन्हें खुद यकीन नहीं हो रहा था कि वह मुंबई में हैं। डर के साथ शुरू हुआ यह सफर एक सकारात्मक अनुभव में बदल गया, जिसे उन्होंने अपने वीडियो के जरिए दुनिया के साथ साझा किया। सफर के दौरान एक ऐसा पल भी आया, जब महिला थोड़ी घबरा गईं। सुरक्षा जांच के समय उन्हें सूचना मिली कि उनके चेक-इन बैग में कोई संदिग्ध चीज है। उन्होंने बताया कि उस वक्त उन्हें लगा कि कहीं कोई बड़ी परेशानी न हो जाए, लेकिन बाद में साफ हुआ कि वह सिर्फ एक पावर बैंक था. अधिकारियों ने बेहद शालीन तरीके से उन्हें नियम समझाते हुए कहा कि पावर बैंक को चेक-इन बैग में नहीं, बल्कि केबिन लगेज में रखना होता है।

यह वीडियो अब तक लाखों बार देखा जा चुका है और सोशल मीडिया पर लोगों का खूब ध्यान खींच रहा है। कमेंट सेक्शन में भारतीय यूजर्स महिला के अनुभव पर प्यार और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। किसी ने लिखा कि ऐसे असली अनुभव ही लोगों की सोच बदलते हैं, तो किसी ने उनका मुंबई में स्वागत करते हुए पूछा कि क्या उन्होंने वड़ा पाव का स्वाद लिया। वहीं, एक यूजर ने उन्हें 'बहन' कहकर दिल से स्वागत किया है।

प्रशासनिक उदासीनता के चलते ईंट-भट्टा संचालकों की मनमानी हुई बेकाबू

सौ से अधिक ईंट-भट्टो से घिरा शहर, केथन नदी और सरकारी जमीन को भी नहीं छोड़ा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर के चारो तरफ इन दिनों अवैध ईंट-भट्टों का जाल फैलता जा रहा है। जहां भी खाली जगह मिलती है। वहां पर ईंट-भट्टा संचालक अपना कब्जा जमाने लगते हैं। कुछ निजी जमीन पर बेखौफ होकर ईंट-भट्टे का संचालन कर रहे हैं तो कई ऐसे भी हैं। जिन्होंने सरकारी जमीन को ही ईंट-भट्टे में तब्दील कर दिया है। इस प्रक्रिया में सबसे बुरी दशा केथन नदी के आसपास के हिस्से की हो रही है।

केथन नदी के काशी घाट से शुरू होकर ईंट-भट्टों का संचालन लगातार आगे बड़ता रहा है। भट्टा संचालक इनके बेखौफ हैं कि वे नदी के किनारों को ही नहीं छोड़ रहे। एक तरफ नदी में पसर रही जलकुंभी बड़ा खतरा बन गई है तो दूसरी तरफ ईंट-भट्टे लगातार फैलते जा रहे है। भट्टा संचालक मनमानी से नदी किनारों पर पहले मिट्टी एकत्रित करते हैं और फिर यहां पर खुलेआम भट्टों का संचालन शुरू करने लगते है। पंचकुईया घाट से होते हुए ये भट्टे घेतल गली इलाका, दिल्ली दरवाजा से होते

हुए नदी के किनारे स्थित सिकंदरपुरा और ईदगाह के पास वाले हिस्से पर भी पहुंच गए हैं।

मजदूरों के सहारे काम कर रहे बड़े ठेकेदार

दरअसल अनेक ईंट-भट्टों का संचालन मजदूरों की आड़ में अनेक धन्नासेठों द्वारा किया जा रहा है। ये लोग कुछ लोगों को दैनिक मजदूरी से ज्यादा थोड़ी राशि देकर काम करवाते हैं और फिर इन्हीं के माध्यम से ईंटों का विक्रय करते है। जिससे की आम जनता के बीच उनके नाम का प्रचार ना हो। ईंट-भट्टो का जाल शहर ही नहीं ग्रामीण इलाकों में भी तेजी से फैलता जा रहा है। हालात ये है कि जिस गांव में नदी या खाली

श्मशान की जमीन को भी नहीं छोड़ा

ईंट-भट्टों का संचालन लटेरी रोड पर केथन डैम के करीब और इसके बाद तहसील रोड पर तहसील कार्यालय के पीछे भी बेखौफ तरीके से हो रहा है। तहसील कार्यालय के पीछे को भट्टा संचालकों ने श्मशान की जमीन को भी नहीं छो?ा। साल भर पर पहले प्रशासन ने यहां पर रोक लगाने की बात कही थी लेकिन पूरी तरह अमल आज तक नहीं हो सका। प्रशासनिक उदासीनता का फायदा उठाते हुए वे मंडी बायपास और बेगमबाग इलाके में भी भट्टा सुलगाने लगे हैं। हालात ये है कि शहर के आसपास ही 100 से अधिक ईंट-भट्टे संचालित होते दिखाई दे रहे हैं।

सरकारी जमीन है। वहां पर ईंट-भट्टे संचालित होते दिखाई देना आम हो गया है। कई लोग अपने खेत में ही ईंट-भट्टे बना लेते हैं। गांव के प्रभावी लोग इन भट्टो का संचालन करते हैं। इसके बाद शहरी इलाके में इन ईंटों का विक्रय करते हैं। शाम होते ही अनेक भट्टों का सुलगना शुरू हो जाता है। रात में भट्टो के आसपास और आसमान पर धुंआ ही धुंआ दिखाई देता है। जो सुबह तक बना रहता है। अलसुबह मार्निंग वॉक पर जाने पर रईस मियां ने बताया कि धुएं की वजह से शहर का वातावरण प्रदूषित होता है। जो बीमारी की जड़ बन रहा है। प्रशासन को ईंट-भट्टों का संचालन बंद करवाना चाहिए।

हम जांच करवाएंगे

एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा का कहना है कि शहर और आसपास के इलाके में कितने ईंट-भट्टों का संचालन हो रहा है। इसकी जांच हम करवाएंगे। सूची तैयार करने के बाद अवैध भट्टा संचालकों पर कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज़ विंडो

बाबा साहेब की प्रतिमा का भव्य अनावरण

नर्मदापुरम। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर नर्मदापुरम जिले के ग्राम पांजरा कलाँ में उनकी प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। यह प्रतिमा सांसद दर्शन सिंह चौधरी द्वारा सांसद निधि से स्थापित कराई गई।अनावरण क्षेत्रीय विधायक डॉ. सीता शरण शर्मा के साथ संयुक्त रूप से सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और ग्रामवासी शामिल हुए, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण रहा।बाबा साहेब के विचारों से समरस समाज का निर्माण संभव मुख्य अतिथि सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने संघर्ष, शिक्षा और विचारों से समाज को समानता, न्याय व अधिकारों का मार्ग दिखाया। 'बाबा साहेब का जीवन प्रेरणास्त्रोत है। उनके सिद्धांतों पर चलकर ही सशक्त और समरस समाज बनाया जा सकता है,' उन्होंने जोर देकर कहा।अन्य वक्ताओं ने भी बाबा साहेब के जीवन, शिक्षा, समानता और जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. भीमराव अंबेडकर जनकल्याण समिति पांजरा कलाँ और ग्राम पंचायत पांजरा कलाँ का योगदान सराहा गया।

नगर परिषद की बदहाल फायर ब्रिगेड, धू-धू कर जला खेत, ढाबा बचाने बाल्टियां लेकर कूदे लोग

औबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज नेशनल हाईवे 45 बाईपास पर स्थित मां अन्नपूर्णा ढाबा मंगलवार को एक ब? हादसे का शिकार होते-होते बचा। पास के खेत में नरवाई की आग ने ऐसा विकराल रूप धारण किया कि ढाबे के आसपास रखा सामान जलकर खाक हो गया। विडंबना देखिए कि जब आग की लपटें तबाही मचा रही थीं, तब नगर परिषद औबेदुल्लागंज सिस्टम की लाचारी का रोना रो रही थी।

यह लापरवाही की हद हैं न फायर ब्रिगेड, न टैंकर

हादसे के वक्त ढाबा संचालक और स्थानीय लोगों ने नगर परिषद को दर्जनों फोन किए, लेकिन जवाब मिला– फायर ब्रिगेड खराब है। जब पानी के टैंकर की मांग की गई, तो अधिकारियों ने पल्ला झाड़ते हुए कह दिया कि टैंकर भी उपलब्ध नहीं है। अंततः मंडीदीप से मदद मांगी गई, लेकिन वह भी नही आ पाई और तब तक किसान का करीब 40 हजार रुपये का नुकसान (डीपी, ट्यूबवेल केबल और पाइप) हो चुका था। प्रशासनिक उदासीनता के बीच ढाबा संचालक और ग्राहकों ने हार नहीं मानी। लोगों ने बाल्टियों से पानी भर-भर कर घंटों मशक्कत की और ढाबे को राख होने से बचाया। अब बड़ा सवाल यह हैं कि अगर आम जनता साहस न दिखाती, तो क्या प्रशासन इस बड़ी जनहानि की जिम्मेदारी लेता नगर परिषद की यह उदासीन कार्यप्रणाली किसानों और रहवासियों के लिए काल बन रही है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई और संसाधनों की तुरंत बहाली अब अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित सागर प्रवास की तैयारियां तेज

कलेक्टर ने सांदीपनि विद्यालय पहुंचकर परखीं व्यवस्थाएं

सागर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित सागर (नरयावली) आगमन को लेकर नवागत कलेक्टर प्रतिभा पाल आज नरयावली सांदीपनि विद्यालय पहुंचीं। 18 अप्रैल को होने वाले इस महत्वपूर्ण दौरे की तैयारियों की समीक्षा करने पाल ने आयोजन की रूपरेखा तय करने के साथ-साथ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सांदीपनि विद्यालय के नवनिर्मित भवन का होगा लोकार्पण

मुख्यमंत्री के इस दौरे का मुख्य आकर्षण नरयावली स्थित सांदीपनि विद्यालय के भव्य भवन का लोकार्पण है। यह संस्थान क्षेत्र की शैक्षणिक गतिविधियों में मील का पत्थर साबित होगा। लोकार्पण समारोह के साथ-साथ मुख्यमंत्री एक जनसभा को भी संबोधित कर सकते हैं, जिसकी व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर ने विशेष निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और हेलीपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक के रूट चार्ट को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में आने वाले आम नागरिकों, विशिष्ट अतिथियों और मीडिया कर्मियों के लिए अलग-अलग बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। गर्मी के मौसम को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, छाया (शेड) और मेडिकल टीम की तैनाती के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं पीएचई एवं नगर निगम को पाबंद किया गया। मंच, विद्युत बैकअप और साउंड सिस्टम आदि व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

छिंदवाड़ा में टाइगर के हमले में युवक की मौत, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के पेंच नेशनल पार्क के कुंभपानी बफर जोन स्थित जमतरा गेट पर टाइगर के हमले में एक युवक की मौत हो गई। उसका क्षत-विक्षत शव मिलने की खबर गांव के लोगों तक पहुंची तो गुस्साए ग्रामीण बड़ी संख्या में गेट पर जुट गए और जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मांग की है कि टाइगर के मूवमेंट को नियंत्रित किया जाए और इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। फिलहाल मौके पर पुलिस और वन विभाग की टीम तैनात है और हालात को नियंत्रण में रखने का प्रयास जारी है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में चला अभियान

वाहन चेकिंग अभियान

69 हजार रुपए का जुर्माना, दस्तावेज पीयूसी व हेलमेट के वाहनों पर कार्रवाई

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के निर्देशानुसार गुलाबगंज-विदिशा रोड स्थित भदावसा चौराहे पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र गुलाबगंज, तहसील बासौदा में की गई।

अभियान के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी स्रो मारिया तिग्गा की उपस्थिति में मात्र दो घंटे के भीतर बिना बीमा, बिना सीट बेल्ट, बिना पीयूसी, फिटनेस व आवश्यक दस्तावेजों के वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई। जांच के दौरान जिन वाहनों के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए गए, उनसे मौके पर ही जुर्माना वसूला गया। वहीं दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई भी की गई। इस सघन चेकिंग अभियान के तहत कुल 69,000 रुपए का जुर्माना वसूला गया। न्यायालय एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम ने यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए यह कार्रवाई की।अभियान के दौरान वाहन चालकों को विशेष रूप से पीयूसी, बीमा, फिटनेस एवं अन्य दस्तावेज अद्यतन रखने की हिदायत दी गई। अधिकारियों ने बताया कि पीयूसी न होने पर नए नियमों के तहत न्यूनतम 10,000 रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें और अपने वाहनों के सभी दस्तावेज पूर्ण रखें, ताकि अनावश्यक कार्रवाई से बचा जा सके।

छात्रावास अधीक्षक संघ की बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन

नर्मदापुरम। जिला छात्रावास अधीक्षक संघ की महत्वपूर्ण बैठक अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया।श्रीमती मोली सेविस्टीना निवारिया को अध्यक्ष, बसंत मीना को उपाध्यक्ष, भूपेंद्र साहू को जिला महासचिव, रक्षा श्रीवास्तव एवं शक्ति राजपूत को संघ मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया।विकास खंड अध्यक्षों के रूप में सालिगराम कीर (नर्मदापुरम), मान सिंह अहिरवार (पचमढ़ी) तथा भवन बड़कुर (बनखेड़ी) को जिम्मेदारी सौंपी गई।

भाजपा नगर मंडल का प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ, वैचारिक एवं संगठनात्मक विषयों पर दिया मार्गदर्शन

सिरोंज। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के आव्हान पर मंडल एवं बूथ केंद्रों के कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यशैली एवं दक्षता प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से आयोजित हो रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की श्रृंखला में नगर मंडल सिरोंज के प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हुआ।

मंगलवार शाम से निजी गार्डन में प्रारंभ हुए प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन एवं पार्टी के गीत गायन कर किया गया , साथ ही राष्ट्रीय गीत का भी सामूहिक गायन किया गया। इसके पूर्व संगठन द्वारा लगाए गए पंजीयन काउंटर पर अपेक्षित कार्यकर्ताओं एवं प्रशिक्षणार्थियों का तिलक लगाकर पंजीयन कर प्रवेश दिया गया, प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में दिनेश सोनी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण से पूर्व विधायक ने ली व्यवस्था संबंधी बैठक

प्रशिक्षण कार्यक्रम के पूर्व नगर मंडल के पदाधिकारियों एवं वर्ग संचालन टोली के कार्यकर्ताओं के साथ विधायक उमाकांत शर्मा ने वर्ग कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान वर्ग की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ता पंजीयन,आवास,भोजन,मंच तैयारी आदि अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह, रमेश यादव, अमित त्यागी,भूपेश शर्मा, रोहित रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन अभियान परिषद ने मनाई डॉ. भीमराव आम्बेडकर जयंती

सतना। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशानुसार सतना जिले के सोहावल विकासखंड में भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्म जयंती के अंतर्गत व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। आयोजित व्याख्यानमाला में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ सामाजिक चिंतक एवं व्याख्याता श्रीमती वर्षा तिवारी, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी श्री आर. एन. त्रिपाठी की उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी द्वारा की गई। मां भारती और बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण उपरांत कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में विषय का प्रवर्तन करते हुए परामर्शदाता राजनारायण सेन ने बताया कि डॉ भीमराव अंबेडकर जिन्हें बाबा साहब अंबेडकर के नाम से जाना जाता है। उनका जन्म 14 अप्रैल को समानता दिवस के रूप में मनाया जाता है। जीवन भर समानता के लिये संघर्ष करने वाले अंबेडकर जी को मानव अधिकार एवं समानता और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। वर्षा तिवारी द्वारा बताया गया कि डॉ भीमराव अंबेडकर को विश्वभर में उनके मानव अधिकार आंदोलन, संविधान निर्माता और उनकी विद्वता के लिए जाना जाता हैं।

मंडला जिले के बम्हनी बंजर थाना क्षेत्र में खेत में लगी भीषण आग

मंडला। गर्मी के दिनों में आग की घटनाएं आम बात है, इसी क्रम पर मंडला जिले के बम्हनी बंजर थाना क्षेत्र में सिलगी नाका के पास एक खेत में भीषण आग लग गई। आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है।

तेज हवा के चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और खेत से सड़क किनारे तक फैल गई, जिससे पास के पेट्रोल पंप को भी खतरा पैदा हो गया था। स्थिति की को देखते हुए, स्थानीय लोग और पेट्रोल पंप के कर्मचारी तुरंत आग बुझाने में जुट गए। वहीं दमकल विभाग को भी सूचना दी गई, जिसके बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास किए गए। आज किन कारण से लगी अभी यह पता नहीं चल पाया फिलहाल कारण अज्ञात है।

मेट्रो एंकर किसानों के साथ हो रही अन्यायपूर्ण व्यवस्थाओं को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

किसानों के हक में कांग्रेस का अनिश्चितकालीन न्याय सत्याग्रह शुरू

गंजबासौदा. दोपहर मेट्रो।

नवीन कृषि मंडी के बाहर भारतीय युवा कांग्रेस के नेतृत्व में किसानों के हक और अधिकारों की रक्षा के लिए अनिश्चितकालीन न्याय सत्याग्रह' का शुभारंभ किया गया। आंदोलन के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार की कथित किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया गया।

आंदोलन के दौरान पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसानों के साथ हो रही अन्यायपूर्ण व्यवस्थाओं को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उनकी हर समस्या को सड़क से लेकर सदन तक उठाया जाएगा इस दौरान युवा कांग्रेस ने भारत-अमेरिका के बीच हाल ही में हुई ट्रेड डील को किसानों के हितों के खिलाफ बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया।

उपार्जन केंद्रों की अव्यवस्था

जिले के उपार्जन केंद्रों पर 'बारदाने' की कमी और अव्यवस्थित व्यवस्थाओं के चलते किसानों को फसल बेचने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है, जिसे लेकर प्रशासन को घेरा गया।

मंडी की बदहाल स्थिति

मंडी में तौल और भुगतान में हो रही देरी व गड़बड़ियों को गंभीर मुद्दा बताते हुए इसे प्राथमिकता से उठाने का संकल्प लिया गया।

प्रशासन को चेतावनी

युवा कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र करते हुए 'अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल' शुरू की जाएगी। साथ ही कार्यकर्ता उपार्जन केंद्रों पर जाकर जमीनी स्थिति की जांच कर तौल में हो रही अनियमितताओं को उजागर करेंगे। सत्याग्रह के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भोपाल संभाग प्रभारी गीता कड़वे और जिला अध्यक्ष आकाश शर्मा ने मुख्य रूप से संबोधित किया। इस अवसर पर राजेश माहेश्वरी, संतोष शर्मा, पंकज एलिया, कल्याण सिंह नागौरी, सुधीर उपाध्याय, योगेन्द्र रघुवंशी, बीडी शर्मा, पृथ्वी रघुवंशी, बंटी गुर्जर, रवि यादव, राघवेंद्र शर्मा, अतीक मंसूरी, सौरभ दूबे, लकी दीक्षित, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पार्थ रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नालियों में बहता जहरीला वेस्ट विकास के नाम पर ज़हर

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल संभाग से सामने आ रही तस्वीरें केवल लापरवाही की कहानी नहीं कहतीं, बल्कि यह उस सिस्टम की पोल खोलती हैं जहां नियम किताबों में हैं और ज़मीन पर खुला उल्लंघन हो रहा है। ऑटोमोबाइल शोरूम और सर्विस सेंटरों से निकलने वाला जहरीला वेस्ट ऑयल खुलेआम नालियों में बहाया जा रहा है – और जिम्मेदार तंत्र मूकदर्शक बना हुआ है।

यह कोई छोटी तकनीकी गलती नहीं है। यह सीधे-सीधे पर्यावरण के साथ अपराध है। इस्तेमाल किया गया इंजन ऑयल साधारण कचरा नहीं, बल्कि खतरनाक रसायनों का मिश्रण होता है। जब यह नालियों के रास्ते जमीन और जल स्रोतों में पहुंचता है, तो वह सिर्फ पानी नहीं, बल्कि पूरे जीवन चक्र को प्रदूषित करता है। आने वाली पीढ़ियों की सेहत पर इसका असर पड़ना तय है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्थानीय प्रशासन की भूमिका क्या है? क्या उन्हें यह सब दिखाई नहीं देता, या फिर यह 'अनदेखी' जानबूझकर की जा रही है? यदि नियमों के पालन की निगरानी करने वाले ही निष्क्रिय हो जाएं, तो कानून का अस्तित्व ही क्या रह जाता है? यह भी समझना होगा कि यह समस्या सिर्फ शोरूम तक सीमित नहीं है। यह एक पूरी व्यवस्था की विफलता है–जहां मुनाफा पर्यावरण से बड़ा हो गया है और जवाबदेही शून्य में खो गई है।

सिवनी के धूमा बाईपास क्षेत्र में देर रात नरवाई में लगी आग

सिवनी। सिवनी जिले के धूमा बाईपास क्षेत्र में देर रात नरवाई में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग ने विकराल रूप ले लिया और नरवाई धू-धू कर जलने लगी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर से ही धुआं और साफ दिखाई दे रही थी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। उल्लेखनीय है की नरवाई जालना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है लेकिन आग किन कारणों से लगी अब इस बात की जानकारी जुटाई जा रही है।

नवागत कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मीडिया के साथ किया संवाद

सागर। जिले के विकास को नई गति देने और शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने के संकल्प के साथ कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जिले के मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया। कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित इस विस्तृत चर्चा में उन्होंने न केवल शासन की प्राथमिकता वाले बिंदु, बल्कि भविष्य की चुनौतियों और उनके समाधान पर भी बेबाकी से अपनी बात रखी। कलेक्टर श्रीमती पाल ने बताया कि जिले में बुनियादी ढांचे का विस्तार और उसके परिणाम उनकी शीर्ष प्राथमिकता हैं। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में स्कूलों के उन्नयन और 'डिजिटल लर्निंग' को बढ़ावा देने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिला अस्पताल से लेकर उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक दवाओं की उपलब्धता और डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए 'रियल-टाइम मॉनिटरिंग' की बात कही।

कंपनियों की मनमानी से कर्मचारी परेशान

न्यूनतम वेतन, परिवहन सुविधा सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन

धार। औधोगिक नगरी पीथमपुर में कंपनियों की मनमानी तथा वेतन विसंगतियों को लेकर श्रमिकों का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। आज सुबह एक और कंपनी के बाहर कर्मचारी हड़ताल पर बैठ गए। पिछले दो दिनों से मदरसन सुमी वायरिंग व हार्नेस कंपनी के कर्मचारी धरना दे रहे थे। वहीं अब सेक्टर दो में स्थित बायो स्पंज कंपनी के श्रमिकों ने सुबह हड़ताल कर दी। वे न्यूनतम वेतन, पर्याप्त मैनपावर और परिवहन सुविधा जैसी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। श्रमिकों का आरोप है कि कंपनी उन्हें शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन का भुगतान नहीं कर रही है। उनका यह भी कहना है कि कंपनी में मैनपावर की कमी है, जिससे मौजूदा कर्मचारियों पर काम का अत्यधिक दबाव बना रहता है।

पैदल पहुंचे लेबर कार्यालय: श्रमिकों ने कंपनी की परिवहन सुविधा पर भी आपत्ति जताई है। उनका आरोप है कि कंपनी बस सुविधा के नाम पर उनके वेतन से अधिक राशि काट रही है। इन मुद्दों को लेकर सभी मजदूर एकजुट हुए और कंपनी परिसर से लगभग दो किलोमीटर पैदल चलकर विकास भवन स्थित लेबर ऑफिस पहुंचे। हड़ताल और पैदल मार्च की सूचना मिलते ही प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया। नगर पुलिस अधीक्षक रवि सोनेर और थाना प्रभारी ओम प्रकाश अहीर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित कर मजदूरों को शांत कराया। पुलिस और श्रम विभाग की उपस्थिति में लेबर ऑफिस में मजदूरों और कंपनी प्रबंधन के बीच बातचीत जारी है। प्रशासन इस विवाद को जल्द से जल्द सुलझाने का प्रयास कर रहा है।

बहन के प्रेम प्रसंग से हुई बदनामी का बदला लेने की गई थी युवक की हत्या

अंधे कत्ल का पर्दाफाश, बोरी में बंद लाश की गुत्थी सुलझी

मास्टरमाइंड महिला सहित भाई गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

बहेरिया थाना तहत बंद बोरी में मिले युवक के शव मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में मास्टर माइंड महिला सहित उसके भाई को गिरफ्तार किया है।बहन के प्रेम प्रसंग से हुई बदनामी का बदला लेने की गई थी युवक की हत्या।

बहेरिया पुलिस ने बेहद पेचीदा और अंधे कत्ल के मामले का का खुलासा करने में सफलता प्राप्त की है। मिली जानकारी के अनुसार 11 अप्रैल की सुबह थाना बहेरिया पुलिस को सूचना मिली कि सागर-बंडा रोड पर हरिओम वेयर हाउस के सामने एक जूट की बोरी संदिग्ध अवस्था में पड़ी है। पुलिस टीम ने जब मौके पर पहुंचकर बोरी को खोला, तो उसमें एक अज्ञात व्यक्ति का खून से लथपथ शव बरामद हुआ। इस नृशंस हत्या की खबर से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव पूरी तरह खून से सना हुआ था और मृतक के पास पहचान का कोई तात्कालिक साधन नहीं था। थाना प्रभारी उनि। विधानंद यादव ने टीम के साथ तत्काल आसपास के गाँवों और थानों में संपर्क किया। वैज्ञानिक साक्ष्यों और स्थानीय नेटवर्क की मदद से मृतक की शिनाख्त महेन्द्र अहिरवार उम्र 44 वर्ष निवासी ग्राम भेडा, थाना बंडा के रूप में हुई। शिनाख्त होते ही पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच की दिशा तय की।

पुलिस की सक्रियता और 'स्मार्ट इन्वेस्टिगेशन'

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एएसपी लोकेश सिन्हा और सीएसपी योगेन्द्र सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने आरोपियों तक पहुँचने के लिए त्रि-स्तरीय रणनीति अपनाई। सीसीटीवी का जाल पुलिस ने घटना स्थल से लेकर शहर के मुख्य मार्गों तक के दर्जनों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को घंटों खंगाला। इसी दौरान एक नीले रंग का इलेक्ट्रिक ऑटो संदिग्ध पाया गया। मृतक के मोबाइल कॉल डिटेल्स और संदिग्धों के लोकेशन का बारीकी से विश्लेषण किया गया। मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी गई।

हत्या की खौफनाक साजिश का खुलासा

पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने शारदा अहिरवार को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में उसने जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि मृतक महेंद्र का उसकी बहन के साथ पुराना प्रेम प्रसंग था, जिससे हुई बदनामी का बदला लेने के लिए उसने यह साजिश रची थी। आरोपियों ने महेंद्र को किसी बहाने मोती नगर थाना तहत राजीव नगर बुलाया गया। जहां खाना खाते समय आरोपियों ने उसे पीछे से दबोच लिया और कुल्हाड़ी से वार कर मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए नीले ऑटो का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस ने आरोपी शारदा अहिरवार (मुख्य साजिशकर्ता) निवासी ग्राम भेडा। भूपेन्द्र अहिरवारनिवासी राजीव नगर, थाना मोतीनगर को गिरफ्तार कर लिया। मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। अंधे कत्ल का खुलासा करने में उनि। विधानंद यादव थाना प्रभारी बहेरिया सउनि। श्रीधर अहिरवार आरक्षक दुर्गेश सोनी, शिवम कटारे, मंगल सिंह ठाकुर, नरेन्द्र रावत, राघवेन्द्र राजपूत। महिला आरक्षक भावना श्रीवास्तव, नम्रता मौर्य, दीपा चौरसिया, अंकिता अग्निहोत्री की सराहनीय भूमिका रही।

प्रेम प्रसारिणी सनाढ्य महासभा सागर के तत्वाधान में

ब्राह्मण समाज सम्मेलन 18 को

सागर। श्री प्रेम प्रसारिणी सनाढ्य महासभा सागर के तत्वाधान में सर्व ब्राह्मण समाज सम्मेलन का आयोजन 18 को किया जा रहा है।कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन भी होगा। सम्मेलन सुबह 11 बजे से महाकवि पद्माकर सभागार मोतीनगर चौराहा पर आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्षता विप्र कुलभूषण विधायक पं।गोपाल भार्गव करेंगे, मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री डॉ। राजेंद्र शुक्ल व विशिष्ट अतिथि पं। नरोत्तम मिश्रा मौजूद रहेंगे। श्री प्रेम प्रसारिणी सनाढय महासभा सागर की स्थापना के गौरवशाली 106 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महासभा द्वारा सकल ब्राह्मण समाज एवं संगठनों को एक जुट करने के उद्देश्य से सर्व ब्राह्मण समाज सम्मेलन तथा आयोजन किया जा रहा है। महासभा की गौरवशाली स्मारिका 'श्री सनाढ्य ज्योति-2026' का विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में सामाजिक उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने वाले विशिष्ट व वरिष्ठजनों का अभिनंदन एवं समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले अभ्यार्थियों का 'प्रतिभा सम्मान समारोह' भी आयोजित किया गया है। महासभा के पदाधिकारियों ने सभी सकल ब्राह्मण समाज के स्वजातीय बंधुओं से विनम्र अनुरोध किया है कि सामाजिक सौहार्द, जागरूकता एवं सामाजिक सम्मान के इस अभूतपूर्व कार्यक्रम में शामिल हो कर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान करें।

पीथमपुर के रामकी एनवायरो में एक के बाद एक तीन धमाके, एक किमी दूर तक सुनाई दी गूंज

घरों में गिरे बर्तन और टीवी, भूकंप जैसा महसूस हुआ झटका, पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा

धार। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर के सेक्टर-2 स्थित रामकी एनवायरो कंपनी मंगलवार को अचानक धमाके हुए, कंपनी परिसर में एक के बाद एक तीन धमाकों को आवाज सुनाई दी। इन धमाकों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि इसकी गूंज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनी गई।

विस्फोटों का असर कंपनी के नजदीकी गांवों, तारपुरा और बजरंगपुरा में सबसे ज्यादा देखा गया। प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीणों के अनुसार, धमाका इतना जोरदार था कि उन्हें भूकंप जैसे झटके महसूस हुए। घरों में स्टैंड पर रखे टेलीविजन और

किचन में रखे बर्तन नीचे गिर गए। घबराए हुए ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल आ, कुछ समय के लिए क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

मौके पर पहुंचा पुलिस बल

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचा। नगर पुलिस अधीक्षक रवि सोनेर ने स्थिति बताया कि रामकी कंपनी में विस्फोट की जानकारी मिली थी। पुलिस टीम तुरंत मौके पर तैनात कर दी गई है।हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और धमाके के सटीक कारणों की पड़ताल की जा रही है। कचरा प्रबंधन का कार्य करने वाली रामकी एनवायरो कंपनी पहले भी सुर्खियों में रह चुकी है। पिछले वर्ष भोपाल गैस त्रासदी के जहरीले कचरे के निष्पादन को लेकर यह कंपनी देशभर में चर्चा और विवादों का केंद्र बनी थी, फिलहाल कंपनी प्रबंधन की ओर से इस घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

मां नर्मदा में बह रहा गंदा पानी, सरकार पर उठे सवाल

अनूपपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता तरुण शर्मा ने नर्मदा परिक्रमा के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि परिक्रमा के दौरान उनका मन बेहद व्यथित हो गया, क्योंकि जिस नर्मदा नदी को लोग मां मानकर पूजा करते हैं, उसी में जगह-जगह गंदा पानी बहता हुआ नजर आया।

तरुण शर्मा ने कहा कि छोटा गांव हो या बड़ा शहर, लगभग हर स्थान पर नालों का दूषित पानी सीधे नर्मदा में मिल रहा है। यह स्थिति न केवल पर्यावरण के लिए खतरनाक है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के साथ भी खिलवाड़ है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर इतने वर्षों में सरकारें इस समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं कर पाईं। 'जब नर्मदा पर कई स्थानों पर बांध बनाकर उसका भरपूर उपयोग और दोहन किया जा रहा है, तब उसकी स्वच्छता और संरक्षण के लिए ठोस कार्य योजना क्यों नहीं बनाई गई?' उन्होंने कहा। तरुण शर्मा ने मांग की कि नर्मदा में गिरने वाले गंदे पानी को रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से ठोस कदम उठाए जाएं।

दमोह मुख्य मार्ग पर एक अनाज से भरा पिकअप वाहन पलटा

कटनी। कटनी-दमोह मुख्य मार्ग पर एक अनाज से भरा पिकअप वाहन पलट गया। हादसा कुठला थाना क्षेत्र के देवगांव मंडी के पास हुआ। हादसे में ड्राइवर घायल हो गया है। उसे मामूली चोटें आई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप वाहन (क्रमांक MP14GC2593) कटनी से भारी मात्रा में अनाज की बोरियां लादकर भोपाल की ओर जा रहा था। वाहन जब देवगांव मंडी के समीप पहुंचा, तभी यह हादसा हुआ। घटना में वाहन क्षतिग्रस्त हुआ है और मौजूद ड्राइवर और कंडक्टर को मामूली चोट आई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बावड़ी की सफाई

धरोहरों का संरक्षण करें और इन्हें पुनर्जीवित करें: सीएमओ सिंह

धार। नगरीय प्रशासन एवं आवास मप्र निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों नदी, कुओं, तालाबो, बावड़ियो व अन्य स्त्रोतो के संरक्षण एवं पुनर्जीवित करने हेतु जल स्त्रोतो की साफ सफाई, श्रमदान अभियान जारी है। अभियान के अन्तर्गत मंगलवार को प्रातः 06-30 बजे से झिरन्या अखाड़ा के सामने झिरन्या बावड़ी की साफ सफाई व बावड़ी में पानी होने से प्लास्टिक पन्नी व कचरा आदि निकालने का कार्य किया गया। बावडी की साफ सफाई की गई। साथ ही झिरन्या बावड़ी के समीप मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को बावड़ी में पुजन सामग्री व कचरा नहीं फैंकने की समझाइश दी गई।

अभियान को संबोधित करते हुए सीएमओ सिंह ने कहा कि यह केवल एक सफाई अभियान नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी और जागरूकता का प्रतीक है। जल ही जीवन है, और हमारे पूर्वजों ने बावड़ी, कुएं, तालाब जैसे जल स्रोतों का निर्माण इस उद्देश्य से किया था कि आने वाली पीढ़ियों को जल की कमी का सामना न करना पड़े। आज आवश्यकता है कि हम इन धरोहरों का संरक्षण करें और इन्हें पुनर्जीवित करें। हम सभी का कर्तव्य है कि हम जल स्रोतों को स्वच्छ रखें।मंदिरों के आसपास स्थित बावड़ियों में पूजन सामग्री, प्लास्टिक एवं अन्य कचरा न डालें। इससे न केवल जल प्रदूषित होता है, बल्कि हमारी आस्था भी प्रभावित होती है।

मेट्रो एंकर

48 घंटे में डकैती का खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार

घूमने निकले पांच आरोपियों ने दो युवकों को लूटा था

सागर, दोपहर मेट्रो

घूमने निकले पांच आरोपियों ने मोटर साइकल सवार दो युवकों को लूट लिया। रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज किया गया था। गढ़ाकोटा थाना पुलिस ने 48 घंटे के भीतर डकैती की गंभीर वारदात का सफल खुलासा कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। पुलिस के अनुसार 10 अप्रैल 10 को फरियादी सोनू लोधी निवासी ग्राम संजरा थाना गढ़ाकोटा ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह अपने साथी चंदन रजक के साथ लगुन कार्यक्रम से वीडियोग्राफी कर वापस लौट रहा था। इसी दौरान राजस्थान ढाबा के आगे एक काले रंग की चार पहिया वाहन में सवार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोककर वीडियो कैमरा, फोटो कैमरा, मोबाइल एवं नगदी लूटकर फरार हो गए। रिपोर्ट पर थाना गढ़ाकोटा में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक सागर विकाश कुमार शाहवाल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ। संजीव उइके तथा लोकेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) रहली के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर आरोपियों की पतारसी प्रारंभ की गई। 12 अप्रैल की रात्रि को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि चना टौरिया के पास सर्विस रोड पर एक काले रंग की स्कॉर्पियो में संदिग्ध व्यक्ति बैठे हैं। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए सभी को पकड़ लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी धर्मेन्द्र यादव निवासी लहेदरा, अभिषेक ठाकुर निवासी बम्होरी रेगुवां,तुलसीराम अहिरवार , निवासी बम्होरी रेगुवां,सूरज पटैल, निवासी बम्होरी रेगुवां थाना मोती नगर तथा रामानुज यादव (19 वर्ष), निवासी मरदनपुर थाना राहतगढ़।

जप्ती

आरोपियों के कब्जे से
एक महिन्द्रा स्कॉर्पियो वाहन
एक पैनासोनिक वीडियो कैमरा
एक निकोन फोटो कैमरा
6 टच स्क्रीन मोबाइल,एक चाकू
फरियादी का पर्स, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस,
3360 रूपए नकद जप्त किए।

आरोपियों का खुलासा

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे 9 अप्रैल की रात को एकत्र होकर किराये की स्कॉर्पियो से घूमने निकले थे। वापसी के दौरान उन्होंने सुनसान स्थान पर बाइक सवार को रोककर चाकू व डंडे के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया तथा लूटी गई राशि को आपस में बांटकर खर्च कर दिया।

कानूनी कार्यवाही

आरोपियों कद्य गिरफ्तार कर प्रकरण में धारा 310 बीएनएस एवं 25(1-बी) आर्म्स एक्ट का इजाफा किया गया है।

महत्वपूर्ण भूमिका

इस सफल कार्रवाई में: उपनिरीक्षक शिवम दुबे (थाना प्रभारी गढ़ाकोटा) के नेतृत्व में
थाना स्टाफ एवं साइबर सेल टीम की सराहनीय भूमिका रही।
मुख्य टीम सदस्य: राजेश पाण्डे, विमलेश, कौस्तुभ मणि पाठक, दिलीप दुबे, कृष्ण कुमार, प्रमोद सोयाम, खिलान, अमित शुक्ला, राहुल राय तथा साइबर सेल से सौरभ रैकवार एवं हेमेन्द्र सिंह शामिल थे।

आदिवासी महिला का गंभीर आरोप

30साल की सेवा के बाद रोजगार छीना, मंच पर मंत्री से लगाई गुहार

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र के सहजपुर गांव की 48 वर्षीय आदिवासी महिला प्रेमरानी गौंड ने अपने रोजगार छिनने को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोमवार शाम क्षेत्र के दौनी ग्राम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान, जहां प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी सामुदायिक भवन के भूमिपूजन के लिए पहुंचे थे, वहीं पीड़िता ने मंच पर पहुंचकर अपनी पीड़ा सार्वजनिक रूप से रखी। प्रेमरानी गौंड का कहना है कि उन्होंने पिछले 30 वर्षों से शासकीय प्राथमिक शाला सहजपुर में भोजन बनाने का कार्य किया है। शुरुआती दौर में जब मात्र 200 रुपये मासिक मानदेय पर भी कोई काम करने को तैयार नहीं था, तब उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली। बाद में जब मिड डे मील योजना का संचालन स्व-सहायता समूहों को सौंपा गया, तो वह 'वरदान स्व सहायता समूह' से जुड़कर अपना कार्य जारी रखे हुए थीं। पीड़िता के अनुसार, करीब पांच महीने पहले बिना किसी पूर्व सूचना या कारण बताए उन्हें कार्य से हटा दिया गया। उनका आरोप है कि समूह के पदाधिकारियों ने अपने परिवार और पाल समाज की महिलाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से उन्हें बाहर किया। इसके साथ ही उन्होंने जातिगत भेदभाव का भी आरोप लगाया है। प्रेमरानी का यह भी कहना है कि उन्हें पिछले चार महीनों का मेहनताना अब तक नहीं मिला है।

सीएसके के खिलाफ केकेआर के बल्लेबाजों ने किया निराश

अब तक नहीं खुला जीत का खाता, रिंकू और ग्रीन ने सबसे ज्यादा किया निराश

चेन्नई, एजेंसी

नूर अहमद की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 32 रनों से हरा दिया। सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में केकेआर की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 160 रन ही बना सकी। कोलकाता की टीम आईपीएल 2026 में अब तक एक भी मैच नहीं जीत सकी है, जबकि सीएसके की यह लगातार दूसरी जीत है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर ने इस मैच में ओपनिंग जोड़ी में बदलाव किया। केकेआर के लिए पारी की शुरुआत करने फिन एलेन के साथ सुनील नरेन आए। केकेआर ने ओपनिंग जोड़ी में बदलाव किया क्योंकि अब तक एलेन और अजिंक्य रहाणे ओपनिंग के लिए उतर रहे थे। हालांकि, उसका यह प्रयोग भी काम नहीं आया क्योंकि एलेन सस्ते में आउट हो गए। केकेआर की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि उसने छह विकेट 90 रन पर ही गंवा दिए। रिंकू सिंह और कैमरन ग्रीन ने सबसे ज्यादा निराश किया। नूर अहमद ने लगातार दो गेंदो पर केकेआर को दो झटके दिए। नूर ने पहले रहाणे को आउट किया और फिर ग्रीन को बोल्ड कर पवेलियन की राह दिखाई। नूर

रमनदीप-पॉवेल के बीच हुई साझेदारी

इसके बाद रमनदीप और रोवमैन पॉवेल ने सातवें विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी की, लेकिन टीम के हाथ से मैच तब तक पूरी तरह निकल चुका था। केकेआर के लिए सबसे ज्यादा रन रमनदीप सिंह ने बनाए जो 23 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा रोवमैन पॉवेल 22 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों के सहारे 31 रन बनाकर नाबाद रहे। रहाणे ने 28, अंगकृष रघुवंशी ने 27 और सुनील नरेन ने 24 रनों का योगदान दिया। सीएसके की ओर से नूर अहमद ने तीन विकेट झटके, जबकि अंशुल कंबोज ने दो विकेट लिए। खलील अहमद और अकील हुसैन को एक-एक सफलता मिली।

संजू-म्हात्रे की विस्फोटक बल्लेबाजी

इससे पहले, केकेआर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। अनुकूल रॉय ने सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट कर केकेआर को पहली सफलता दिलाई। गायकवाड़ छह गेंदों पर एक चौके की मदद से सात रन बनाकर आउट हुए। पहला झटका लगने के बावजूद सीएसके की रन गति पर कोई असर नहीं पड़ा। आयुष म्हात्रे ने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की और दूसरे छोर से उन्हें संजू सैमसन का भी अच्छा साथ मिलता रहा। सीएसके का स्कोर चौथे ही ओवर में 50 रन के पार पहुंच गया। सीएसके को आयुष म्हात्रे के रूप में दूसरा झटका लगा जो 17 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 38 रन बनाकर आउट हुए। म्हात्रे और संजू सैमसन के बीच दूसरे विकेट के लिए 22 गेंदों पर 47 रनों की साझेदारी हुई।

पावरप्ले के बाद केकेआर ने की वापसी

संजू सैमसन और म्हात्रे ने पावरप्ले में चेन्नई को दो विकेट पर 72 रन तक पहुंचा दिया था। इसके बाद केकेआर के ऑफ स्पिनर सुनील नरेन, बाएं हाथ के धीमे गेंदबाज अनुकूल रॉय और वरुण चक्रवर्ती ने उम्दा गेंदबाजी करते हुए अगले 10 ओवर में सिर्फ 68 रन दिए।

टीम इंडिया में वैभव सूर्यवंशी की एंट्री तय,

आयरलैंड दौरे पर होगा डेब्यू! खतरे में सचिन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया के लिए डेब्यू के बेहद करीब हैं। खबर है कि जून में होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए उन्हें टी20 टीम में शामिल किया जा सकता है। खबर के मुताबिक- सेलेक्टर्स ने सूर्यवंशी को शॉर्टलिस्ट किया है और वह टीम में शामिल होने की दौड़ में बने हुए हैं। यह दौरा आईपीएल 2026 के तुरंत बाद होगा, जहां भारत की संभावित सेकंड-स्ट्रिंग टीम को मौका दिया जाएगा। सेलेक्शन कमेटी युवा खिलाड़ियों को इंटरनेशनल एक्सपोजर देने के मूड में है। अगर सूर्यवंशी को मौका मिलता है, तो वह भारतीय क्रिकेट इतिहास में सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है, जिन्होंने 16 साल 205 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। वहीं ओवरऑल रिकॉर्ड शेफाली वर्मा के नाम है, जिन्होंने 15 साल 7 महीने में भारत के लिए खेला था। सूर्यवंशी इन दोनों को पीछे छोड़ सकते हैं। वैभव मौजूदा आईपीएल के 5 मैचों की 5 पारियों मे 200 रन 40 के एवरेज और 263।15 के स्ट्राइक रेट से बना चुके हैं। हालांकि वह सोमवार को हुए मुकाबले में गोल्डन डक पर आउट हो गए थे।

आईपीएल में गदर काट चुके हैं वैभव

सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से सभी को चौंका दिया है। उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 26 गेंदों में 78 रन, सीएसके के खिलाफ 17 गेंदों में 52 रन, एमआई के खिलाफ 14 गेंदों में 39 रन बनाए। खास बात यह रही कि उन्होंने दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी की। जसप्रीत बुमराह की पहली ही गेंद पर छक्का जड़ना और जोश हेजलवुड के खिलाफ आक्रामक अंदाज उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। सेलेक्टर्स जल्दबाजी में भी नहीं हैं, लेकिन इस टैलेंट को ज्यादा देर तक इंतजार नहीं कराना चाहते। आयरलैंड जैसी अपेक्षाकृत कमजोर टीम के खिलाफ उन्हें मौका देने की रणनीति बन रही है। इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है।

कई दिग्गज कर चुके हैं वैभव का सपोर्ट

आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने भी सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में इतना टैलेंट मिलना दुर्लभ है और वह टीम इंडिया में डेब्यू के हकदार हैं।वहीं पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी चयनकर्ताओं से अपील की है कि उन्हें तुरंत मौका दिया जाए। भारत और आयरलैंड के बीच दो टी20 मैच 26 और 28 जून को खेले जाएंगे। इसके बाद टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी, जहां सीनियर खिलाड़ियों की वापसी होगी।

खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड की चयन नीति बदलेगी

थोक में पुरस्कार बांटने के पक्ष में नहीं मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों में और अधिक पारदर्शिता लाने के साथ हर वर्ष होने वाले विवादों से बचने के लिए खेल मंत्रालय ने मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन अवॉर्ड और द्रोणाचार्य अवॉर्ड की चयन नीति में परिवर्तन की तैयारी कर ली है।

खेल मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि नई नीति को इस तरह से तैयार किया जा रहा है, जिसमें अवॉर्ड पाने के योग्य उम्मीदवारों को आवेदन की जरूरत नहीं पड़े। जिस तरह ओलंपिक और एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को मंत्रालय तत्काल तय नकद अवॉर्ड मुहैया कराता है, उसी तरह ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को अंकों के आधार पर अवॉर्ड के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित होंगे अंक

सूत्रों के अनसार, अवॉर्ड चयन नीति में होने वाला परिवर्तन जल्द आधिकारिक होगा। नीति इस तरह की होगी, जिसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन

के आधार पर उनके अंक निर्धारित किए जाएंगे। फिर इन्हें मंत्रालय की ओर से गठित चयन समिति के सामने रखा जाएगा। मौजूदा नीति के अनुसार सभी खिलाड़ियों को अर्जुन और खेल रत्न के लिए आवेदन करना होता है। आवेदन के आधार पर मंत्रालय की ओर से गठित चयन समिति खिलाड़ियों का चयन कर खेल मंत्रालय को उन्हें पुरस्कार देने की सिफारिश करती है।

इस बार के राष्ट्रीय खेल पुरस्कार अब तक नहीं दिए गए हैं। चयन समिति ने 24 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार देने की सिफारिश की थी। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि चयनित अडियों की सूची खेल मंत्री के पास है, लेकिन इनका पुनर्मूल्यांकन किया जा रहा है।

अगले साल कराएंगे एफ-1 रेस: मांडविया

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा, %2027 में ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशमान सर्किट (बीईसी) पर एक बार फिर फार्मूला-1 रेस का आयोजन किया जाएगा। एफ-1 का कहना है. इस रेस के लिए भारत महत्वपूर्ण बाजार है, लेकिन 2027 में यहां कोई रेस निर्धारित नहीं की गई है। मांडविया ने कहा, पश्चिम एशिया में तनाव के चलते तीन कंपनियों ने देश में एफ-1 कराने की इच्छा जताई है। टैक्स की जटिलताएं दूर की जाएंगी। उम्मीद है कि 2027 में बीआईसी पर एफ-1 का आयोजन होगा। अदाणी ग्रुप की और से कर्ज में डूबे जेपी समूह की संपतियों का अधिग्रहण हो रहा है, जिनमें बीआईसी का फॉर्मूला-1 ट्रैक भी शामिल है।खेल मंत्री ने कहा, 2030 राष्ट्रमंडल खेलों में भोग, खो-खो, कबड्डी और मलखंब में में दो के साथ-साथ टीम खेलों में क्रिकेट और हॉकी शामिल होंगे।

अभिषेक के नाम अनचाहा रिकॉर्ड, एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार खाता खोले बिना आउट

हैदराबाद, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 21वें मैच में खाता खोले बगैर आउट हो गए। इसी के साथ अभिषेक टी20 प्रारूप में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय बन गए हैं। अभिषेक शर्मा ने साल 2026 में अब तक 18 टी20 पारियां खेली हैं। इस दौरान सात बार वह शून्य पर पवेलियन लौटे हैं। टी20 में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय खिलाड़ियों में रोहित शर्मा और संजू सैमसन संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर हैं। रोहित शर्मा साल 2018 में खेली गईं 32 टी20 पारियों में छह बार शून्य पर आउट हुए, जबकि संजू सैमसन साल 2024 में 32 टी20 पारियों के दौरान अपना खाता नहीं खोल सके थे। गुरकीरत सिंह मान साल 2013 में 19 पारियां खेलते हुए पांच

बार खाता खोले बगैर पवेलियन लौटे थे। सोमवार को राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले की पहली ही गेंद पर अभिषेक शर्मा अपना विकेट जोफा आर्चर को दे बैठे। इसी के साथ अभिषेक आईपीएल मैच की पहली गेंद पर आउट होने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले शिखर धवन साल 2018 में क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले की पहली गेंद पर पवेलियन लौट गए थे।

दोनों टीमें उतरी थी दो बदलाव के साथ

इस मुकाबले में टॉस जीतकर राजस्थान रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। दोनों ही टीमें दो-दो बदलावों के साथ मैदान पर उतरी हैं। ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, सलिल अरोड़ा, अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, शिवांग कुमार, प्रफुल्ल हिंगे और ईशान मलिंगा के साथ यह मैच खेल रही है। दूसरी ओर, रियान पराग की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफा आर्चर, नांद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई और तुषार देशपांडे के साथ इस मुकाबले में उतरी है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पाक एक्ट्रेस को पति ने कंधे पर उठाया, नाराज आवाम बोली- ये तुम्हारा बेडरूम नहीं

पाकिस्तान की फेमस मॉडल, एक्ट्रेस और एंकर फिजा अली इस समय हेटर्स के निशाने पर हैं। लाइव टीवी शो में पति संग मर्यादा पार करने पर उन्हें लोगों से खरी-खोटी सुनने को मिल रही है। पाकिस्तान की आवाम उन्हें बेशर्म बता रही है। वहीं, पाक नेता हिना परवेज बट ने उन्हें टीवी पर वल्गर एक्शन्स करने पर लताड़ा है।

दरअसल, एक लाइव टीवी शो में हिना के पति और बेटी गेस्ट बनकर आए। हिना ने पति से कहा- क्या आप मुझे उठा लेंगे। एक्ट्रेस की रिक्वेस्ट के बाद उनके पति कैमरों और बेटी के सामने बीच शो में ही उन्हें गोद में उठा लेते हैं। लाइव शो से पति संग एक्ट्रेस की ये क्लिप तूफानी रफ्तार से सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिसपर लोगों को गुस्सा फूट पड़ा है।

फिजा अली के वीडियो पर पाकिस्तानी नेता हिना परवेज बट ने भी नराजगी जताई है। उन्होंने पोस्ट शेयर करके एक्ट्रेस को लताड़ा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा- हमारे चैनल्स को क्या हो गया है? फीमेल एंकर को ये पता होना चाहिए कि ये उनका घर नहीं, जहां वो कुछ भी कर सकती हैं। अगर वो इस तरह की वल्गर हरकतों से बचेंगी तो अच्छा होगा। नेशनल टीवी पर बैठकर इस तरह के जेस्चर करना उन्हें सूट नहीं करता।

बता दें कि पाकिस्तान की आवाम भी फिजा अली की इस हरकत को शर्मनाक बता रही है। एक यूजर ने वीडियो शेयर करके कहा कि पाकिस्तानी सितारे व्यूज और रेटिंग के लिए अपनी इज्जत उछाल रहे हैं। यूजर ने गुस्सा जताते हुए कहा कि अब सितारों की शादी, तलाक हर एक चीज मीडिया पर हो रही है, बस अब बेडरूम में कैमरा लगाना बचा है। यूजर ने ये भी कहा- पूरी दुनिया में जंग का माहौल है, बच्चे भूख से मर रहे हैं, औरतों के साथ खराब बर्ताव हो रहा है, महंगाई आसमान छू रही है और हमारे टीवी चैनल्स पर ये दिखाया जा रहा है कि बीवी को कैसे गोद में उठाना है।

फिजा अली ने दी सफाई

ट्रोलिंग को देखते हुए एक्ट्रेस फिजा अली ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी सफाई दी है. उन्होंने लिखा- एक छोटो सा मोमेंट बिना किसी बात के वायरल हो गया. वो सिर्फ हल्का-फुल्का जेस्चर था, जिसका कोई गलत मतलब नहीं था. मैं हमेशा अपने काम और अपने व्यूअर्स की इज्जत करती हूं. आगे भी रिस्पेक्ट के साथ अपना सफर जारी रखूंगी.

'है जवानी तो इश्क होना है': क्या गोविंदा को बीट कर पाएंगे वरुण धवन?

वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर फिल्म है जवानी तो इश्क होना है का पहला लुक रिलीज हो गया है। पहले लुक से फिल्म की कहानी साफ है कि पुराने गिफ्ट को नई पैकिंग के साथ सिनेमाघरों में उतारा जा रहा है। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े तीनों के बीच बेहतरीन केमिस्ट्री दिखाई गई है लेकिन फिल्म को लेकर सारा सस्पेंस पहले लुक में खुलकर सामने आ चुका है।

है जवानी तो इश्क होना है में वरुण धवन एक साथ दो-दो पत्नियों के साथ दोहरी जिंदगी जीने वाले हैं। पहली पत्नी है मृणाल ठाकुर और दूसरी हैं पूजा हेगड़े। पहले लुक को देखकर आपको गोविंदा की फिल्म सैंडविच और साजन चले ससुराल की याद आ जाएगी। कुल मिलाकर सलमान खान के गाने के टाइटल और गोविंदा की फिल्म की स्क्रिप्ट का मिक्स कॉकटेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है।

गोंविदा की फिल्म सैंडविच सभी को याद होगी, जिसमें महिमा चौधरी और रवीना टंडन दो बचों को जन्म देती है, जिनका नाम टोनी और टुकटुक होता है। दोनों की शक्ल एक जैसी होती है क्योंकि दोनों के पिता गोविंदा ही हैं। है जवानी तो इश्क होना है के लुक में 2 एआई से जनेरेट बच्चे दिखाए गए हैं, जो पहले अपनी मम्मी का नाम बताते हैं और फिर पापा का। दोनों के पिता का नाम सेम है और फिर सवाल करते हैं, कहीं हमारे पिता एक ही तो नहीं। लुक से साफ है कि वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म सैंडविच और साजन चले ससुराल से प्रेरित है। साजन चले ससुराल का निर्देशन वरुण धवन के पिता डेविड धवन ने किया था और इस फिल्म का निर्देशन भी वही कर रहे हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि डेविड धवन की फिल्मों

मेट्रो बाजार

भारत में यात्री वाहनों की बिक्री मार्च में 16 प्रतिशत बढ़ी: रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । भारत में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 4,42,460 यूनिट्स हो गई है। इसकी वजह मांग में सुधार और डीलरशीप के पास अधिक इन्वेंट्री होना था। यह जानकारी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चर्स (सियाम) की ओर से मंगलवार को दी गई। इससे पहले, पिछले साल मार्च में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,81,358 यूनिट्स थी। मार्च में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 19.3 प्रतिशत बढ़कर 19,76,128 यूनिट्स हो गई है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 16,56,939 यूनिट्स थी।

तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 21.4 प्रतिशत बढ़कर 76,273 यूनिट्स हो गई है, जो कि मार्च 2026 में 62,813 यूनिट्स थी। इसके अलावा, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चर्स के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में कंपनियों से डीलरों को भेजे गए घरेलू यात्री वाहनों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 10.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 4,17,705 यूनिट तक पहुंच गई, जो बाजार में निरंतर सकारात्मक माहौल को दर्शाती है। यात्री वाहन सेगमेंट के लिए समग्र दृष्टिकोण भी सकारात्मक बना हुआ है, हालांकि आने वाले समय में वृद्धि दर में थोड़ी कमी आने की उम्मीद है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, त्योहारी मांग में मजबूती, हाल ही में जीएसटी दरों में कटौती और नए मॉडलों के लगातार लॉन्च के चलते वित्त वर्ष 2026 में थोक बिक्री में लगभग 7-9 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। हालांकि, उच्च आधार और बदलती व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के कारण वित्त वर्ष 2027 में वृद्धि दर घटकर 4-6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

मध्य पूर्व में तनाव का असर! कच्चे तेल की मांग में अगली तिमाही में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली । इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) ने मंगलवार को कहा कि कच्चे तेल की मांग में 2026 की दूसरी तिमाही में गिरावट आने की उम्मीद है। यह कोविड महामारी के बाद ईंधन की मांग में आई कमी के बाद सबसे बड़ी गिरावट होगी। ईरान युद्ध के कारण ग्लोबल आउटलुक में आए बदलावों के चलते इस वर्ष तेल की मांग में प्रतिदिन 80,000 बैरल (किलो बैरल/दिन) की कमी आने की आशंका है।

एजेंसी ने रिपोर्ट में कहा,÷2026 की दूसरी तिमाही में मांग में 15 लाख बैरल प्रति दिन की गिरावट का पूर्वानुमान है, जो कोविड-19 के कारण ईंधन की खपत में आई भारी कमी के बाद से सबसे तेज गिरावट होगी।÷ रिपोर्ट में बताया गया कि तेल की मांग में कमी मध्य पूर्व और एशिया प्रशांत क्षेत्रों में देखने को मिलेगी, जो कि मुख्यत- से नेफ्था, एलपीजी और जेट ईंधन के रूप में होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान के कारण वैश्विक कच्चे तेल उत्पादन में लगातार गिरावट आ रही है, जिससे वैश्विक उत्पाद बाजारों में मांग बढ़ रही है।

इतिहास के सबसे भीषण तेल आपूर्ति संकट के बाद मार्च में तेल की कीमतों में अब तक की सबसे बड़ी मासिक वृद्धि दर्ज की गई। आईईए ने कहा कि इस स्थिति से तेल आयात करने वाले देश पर आपूर्ति सुरक्षित करने का दबाव बढ़ा, जिससे फिजिकल मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इस दौरान फ्यूचर्स और फिजिकल मार्केट की कीमतों में जुड़ाव का अभाव था। आईईए ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से प्रवाह को फिर से शुरू करना ऊर्जा आपूर्ति, कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव कम करने में सबसे महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है।

पंजाब में भीषण हादसा

फतेहगढ़ साहिब में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, छह की मौत आनंदपुर साहिब से लौट रहे थे

चंडीगढ़। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में श्रद्धालुओं से भरी बस पलट गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। वहीं लगभग नौ लोग घायल हो गए हैं। घायलों में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। घायलों को मोरिंडा और फतेहगढ़ साहिब के अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि फतेहगढ़ साहिब से करीब 40 श्रद्धालु श्री आनंदपुर साहिब में बैसाखी मेले गए थे।

लौटते समय अचानक बस में कोई तकनीकी खराबी आ गई और बस बिजली के खंभे से टकराकर पलट गई। हादसा हलका बस्सी पठाना के गांव हिम्मतपुरा (भटेड़ी) के पास देर रात हुआ। फतेहगढ़ साहिब के एसपी शुभम अग्रवाल के अनुसार घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया और उनका इलाज जारी है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया भी जारी है। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। गांव मैन माजरी में इस घटना से गहरा दुख है, क्योंकि एक ही गांव के कई लोगों की जान चली गई। कुछ परिवारों ने अपने एक से अधिक सदस्यों को खो दिया, जिससे माहौल बेहद गमगीन हो गया है। स्थानीय विधायक रुपिंदर सिंह हैप्पी ने हादसे पर शोक जताया है।

समुद्र की गोद में ऊर्जा का संचालन: क़िंगदाओ बंदरगाह का अद्भुत दृश्य पूर्वी चीन के शैनडॉन्ग प्रांत के क़िंगदाओ बंदरगाह पर औद्योगिक जीवन की एक प्रभावशाली झलक देखने को मिलती है, जहाँ समुद्र और ऊर्जा व्यापार का गहरा संबंध दिखाई देता है। विशाल कच्चे तेल के टैंकर को सावधानीपूर्वक उसकी निर्धारित जगह तक पहुँचाने में एक छोटी लेकिन शक्तिशाली टगबोट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। लहरों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए, यह टगबोट सटीकता और समन्वय का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है। यह दृश्य न केवल आधुनिक समुद्री संचालन की जटिलता को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला की निरंतर गतिशीलता को भी उजागर करता है।

अमेरिका को भारी पड़ रहा ईरान के साथ युद्ध

होर्मुज नाकाबंदी पर ट्रंप को नाटों से फिर मिली निराशा, सभी देशों ने किया इंकार

एजेंसी, नई दिल्ली

ईरान के साथ युद्ध अमेरिका को भी भारी पड़ता नजर आ रहा है। देश में फ्यूल समेत अन्य चीजों पर महंगाई की चोट पड़ी है, तो वहीं पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत फेल होने के बाद बौखलाए ट्रंप को एक और झटका लगा है। दरअसल, होर्मुज स्ट्रेट को लेकर बड़ा ऐलान के साथ ट्रंप ने नाटो के सहयोगी देशों से ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी में शामिल होने की अपील की थी, लेकिन नाटों देशों ने इसे ठुकरा दिया है और होर्मुज ब्लाकेड में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है। ये ट्रंप की टेंशन और गुस्सा दोनों बढ़ाने वाली खबर है।

ट्रंप पहले से ही नाटो से खफा नजर आ रहे थे और अब होर्मुज प्लान में साथ न आने से ये तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। उन्होंने पहले ही नाटो से हटने की धमकी दी हुई है और कई देशों द्वारा ईरान पर हमलों के लिए अपना हवाई क्षेत्र देने से इनकार करने के बाद यूरोप से कुछ अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने पर विचार कर रहे हैं।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नाटो सहयोगी देशों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरानी पोर्ट्स की नाकाबंदी के प्लान में शामिल होने से इनकार किया है। उनका कहना है कि वे लड़ाई खत्म होने के बाद ही हस्तक्षेप करेंगे। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि अन्य देश भी जल्द ही होर्मुज नाकाबंदी में शामिल होंगे। इसके बावजूद, ब्रिटेन और फ्रांस सहित नाटो के सदस्यों ने इसमें शामिल होने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। इसके बजाय होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के प्रयासों पर फोकस किया है, जिससे ग्लोबल तेल शिपमेंट का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है।

किस देश ने क्या कहा?

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने एक इंटरव्यू में कहा कि काफी दबाव के बावजूद ब्रिटेन नाकाबंदी का समर्थन नहीं करेगा और युद्ध में घसीटे जाने से बचने के अपने फैसले पर जोर दिया। इसके अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने होर्मुज में आवाजाही बहाल करने के लिए एक मल्टीनेशनल मिशन के लिए ब्रिटेन और अन्य देशों के साथ एक सम्मेलन आयोजित करने की योजना बनाई है। स्टारमर की ओर से भी कहा गया कि इस पहल का उद्देश्य तेल-गैस टैंकरों के लिए सुरक्षित आवागमन के नियम निर्धारित करना है। इससे पहले नाटो के 32 सदस्य देशों में से कई ने युद्ध समाप्त होने और यह आश्वासन मिलने के बाद ही होर्मुज स्ट्रेट में मदद करने की इच्छा जताई कि उनके जहाजों को निशाना नहीं बनाया जाएगा। रिपोर्ट की मानें तो, खाड़ी देशों, भारत, ग्रीस, स्पेन, इटली, नीदरलैंड और स्वीडन सहित लगभग 30 देशों की एक बैठक जल्द ही पेरिस या लंदन में हो सकती है, जिसमें मिशन की योजनाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा।

अमेरिका बना रहा नाटो पर दबाव

बीते सप्ताह आई रिपोर्ट पर गौर करें, तो ईरान के साथ हुए सीजफायर के ऐलान के बाद ही अमेरिका फिर से अपने यूरोपीय सहयोगियों पर दबाव बनाता दिखा। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने यूरोपीय सहयोगियों से डिमांड की है कि वो दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा मार्गों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित बनाने के लिए अमेरिका के साथ आएं। उन्होंने सख्त लहजे में कहा था कि अब सिर्फ समर्थन के लिए बयान देना काफी नहीं है। रॉयटर्स के मुताबिक, ट्रंप ने नाटो महासचिव मार्क रुट से मुलाकात के दौरान भी यह मुद्दा उठाया। इसके बाद नाटो ने कहा था कि अमेरिका अब फिर से अपने सहयोगियों पर दबाव डाल रहा है। तो वहीं ट्रंप कई बार नाटो की भूमिका पर सवाल उठा चुके हैं और यहां तक कह चुके हैं कि अमेरिका इस गठबंधन से अलग भी हो सकता है।

होर्मुज नाकाबंदी के 24 घंटे

इस बीच अमेरिका की होर्मुज नाकाबंदी के 24 घंटे के अपडेट पर नजर डालें, तो अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि पहले दिन कोई भी जहाज अमेरिकी नाकाबंदी को पार नहीं कर पाया। कम से कम छह कमर्शियल जहाजों को रोका गया और उन्होंने अमेरिकी निर्देशों का पालन करते हुए वापस मुड़ने का फैसला करते हुए ओमान की खाड़ी के किनारे स्थित ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश किया।

यूएई ने पाक को दिया अल्टीमेटम!

कर्ज चुकाने पैसे के लिए सऊदी-चीन के सामने शहबाज ने फैलाए हाथ

एजेंसी, नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात ने हाल ही में पाकिस्तान से अपने पैसे का तगादा कर दिया। पाकिस्तान को इस महीने सऊदी अरब को 3.5 अरब डॉलर लौटाने हैं। पाकिस्तान अगर यह पैसा लौटा देता है तो उसका विदेशी मुद्रा भंडार कुछ ही दिनों में भरभराकर गिर जाएगा। इससे बचने के लिए पाकिस्तान सऊदी अरब और चीन से पैसा मांग रहा है। ये वही पाकिस्तान है जिसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ बनकर खुद की पीठ थपथपा रहे थे और कह रहे थे कि पाकिस्तान का सिर दुनियाभर में गर्व से ऊंचा हो गया है। लेकिन अब इसी पाकिस्तान को पैसे के लिए दर-दर हाथ फैलाने पड़ रहे हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान यूएई को कर्ज चुकाने की तैयारी के बीच सऊदी अरब और चीन से कर्ज लेने के लिए बातचीत कर रहा है। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, ये बातचीत कर्ज और निवेश दोनों को लेकर हो रही है।

तीन महीने के आयात के लिए ही पाकिस्तान के पास बचा है रिजर्व

पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान में यूएई के 3 अरब डॉलर साल 2018 से जमा हैं और यह हर साल रोलओवर होता आया था। लेकिन सात साल में पहली बार पाकिस्तान यूएई के साथ कर्ज के रोलओवर का समझौता करने में विफल रहा है। तीन अरब डॉलर के अलावा पाकिस्तान पर यूएई का 45 करोड़ डॉलर का एक और कर्ज सालों से बकाया है। यूएई दोनों ही कर्ज वापस मांग रहा है। उसका कहना है कि इस महीने के अंत तक उसे अपना लगभग 3 I5 अरब डॉलर चाहिए। पाकिस्तान यह कर्ज चुका भी रहा है लेकिन फिर इसके बाद उसके विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा। फिलहाल पाकिस्तान के पास करीब 16 अरब डॉलर का रिजर्व है, जो केवल तीन महीने के आयात के लिए पर्याप्त है। हाल के महीनों में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच आर्थिक और सुरक्षा संबंध मजबूत हुए हैं, जबकि सऊदी अरब और यूएई के रिश्तों में कुछ खटास आई है। ऐसे में यूएई का पाकिस्तान से तुरंत पैसे की मांग करना बताता है कि वो पाकिस्तान-सऊदी के बढ़ते संबंधों से खुश तो नहीं है।

नोएडा डीएम मेधा रूपम की चेतावनी

अब किसी कर्मचारी ने उपद्रव किया तो उसके साथ कंपनी की भी होगी जिम्मेदारी

नोएडा, देहरादून

बीते कुछ दिन उत्तर प्रदेश के नोएडा में अराजक स्थिति रही। सोमवार को वेतन बढ़ोतरी और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग को लेकर निजी कंपनियों के कर्मचारियों का प्रदर्शन उग्र हो गया। कई दिनों से जारी धरने के बाद प्रदर्शनकारियों का गुस्सा बढ़ गया, जिसके चलते सेक्टर-60 और 62 के आसपास सड़कों पर लंबा जाम लग गया। ट्रैफिक बाधित होने से दफ्तर जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई। कुछ स्थानों पर वाहनों में आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं, हालांकि अब हालात सामान्य हो गए हैं।

इस बीच जनपद में शासन की गाइडलाइंस का शत् प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने एवं औद्योगिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की आउटसोर्सिंग एजेंसी/ संविदाकारों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आउटसोर्सिंग एजेंसी/ संविदाकार उद्योग को चलाने तथा लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में सभी आउटसोर्सिंग एजेंसी /संविदाकारों की जिम्मेदारी है कि वे अपने श्रमिकों सहित शांति व्यवस्था बनाए रखें। उन्होंने चेताया कि आउटसोर्सिंग एजेंसी एवं एजेंसी के श्रमिकों द्वारा उपद्रवी व्यवहार करने पर एजेंसी भी ब्लैकलिस्टेड होगी और उसके लाइसेंस निरस्तीकरण की भी कार्रवाई की जाएगी।

एजेंसी का लाइसेंस भी हो सकता है कैंसिल

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी संविदाकार शासन की गाइडलाइंस का शत् प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अगर कोई भी एजेंसी द्वारा या एजेंसी के एम्पलॉई/ श्रमिक द्वारा उपद्रवी व्यवहार किया जाएगा तो उसकी जिम्मेदारी एजेंसी की भी होगी तथा उस एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करते हुए एजेंसी का लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन का उल्लेख करते हुए बताया कि अकुशल श्रमिक के लिए 13,690, अर्धकुशल श्रमिक के लिए 15,059 तथा कुशल श्रमिक के लिए 16,868 रुपए प्रतिमाह वेतन निर्धारित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संविदाकार इन वेतन मानकों का पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित करें एवं श्रमिक के बैंक खातों में पूर्ण वेतन ट्रांसफर करें। किसी भी प्रकार के नियमों का उलंघन व कर्मचारियों का शोषण करने पर होगी सख्त कार्रवाई होगी।

यूनिवर्सिटी आफ लंदन भारत में शुरू करेगी कैंपस, यूजीसी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली । इंग्लैंड की एक प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी भारत में अपना कैंपस स्थापित करेगी। यह देश में ही विदेशी यूनिवर्सिटी का अनुभव देने की दिशा में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का एक बड़ा फैसला है। लंदन के पुराने और प्रतिष्ठित बिर्कबेक, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन को भारत में अपना कैंपस खोलने के लिए की अनुमति प्रदान की गई है। करीब 200 साल पुराना यह विश्वविद्यालय भारत में अपने ऐसे कोर्स लेकर आ रहा है, जिनकी आज के दौर में खूब मांग है। इनमें बिजनेस मैनेजमेंट और डेटा एनालिटिक्स आदि शामिल हैं। यानी अब छात्रों को विदेश जाने की जरूरत कम पड़ेगी, क्योंकि उसी स्तर की पढ़ाई स्वदेश में मिल सकेगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय में उच्च शिक्षा सचिव व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष डॉ. विनीत जोशी ने मंगलवार को लंदन के बिर्कबेक, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन को बेंगलुरु में अपना कैंपस खोलने के लिए आशय पत्र सौंपा है। यह पत्र विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर प्रोफेसर सैली व्हेलर को दिया गया।

खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित 2,262 से ज्यादा की हुई वापसी: सरकार

नई दिल्ली । सरकार ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटे में किसी भी भारतीय झंडे वाले जहाज से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग (डीजी शिपिंग) ने अब तक खाड़ी क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों से 2,262 से ज्यादा भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी करवाई है, जिनमें पिछले 24 घंटे में 85 लोग शामिल हैं।

डीजी शिपिंग के कंट्रोल रूम ने सक्रिय होने के बाद से अब तक 6,292 कॉल और 13,228 से ज्यादा ईमेल संभाले हैं। इनमें पिछले 24 घंटे में 219 कॉल और 361 ईमेल शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश भर के बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है और कहीं भी भीड़ या रुकावट की स्थिति नहीं है। बयान में कहा गया कि मंत्रालय लगातार विदेश मंत्रालय, भारतीय दूतावासों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के साथ समन्वय बनाए हुए है ताकि भारतीय नाविकों की सुरक्षा और समुद्री गतिविधियों का संचालन बिना बाधा जारी रहे।

दोपहर मेट्रो

सीएसएके अध्ययन में बड़ा खुलासा

टेढ़ा खीरा पहुंचा सकता है नुकसान, मीठी मूली से भी रहें सतर्क

कानपुर, नई दिल्ली

खाने के साथ सलाद तैयार करते समय खीरे और मूली की गुणवत्ता पर ध्यान देना जरूरी है। कभी भी सलाद में टेढ़े खीरे को न शामिल करें। अगर इसमें मूली मिला रहे हैं तो पहले तीखेपन को जांच लें। टेढ़ा खीरा और मीठी मूली स्वास्थ्यवर्धक के लिए फायदेमंद नहीं हैं। सीएसए के अध्ययन में पाया गया कि टेढ़ा खीरा संक्रमित होता है। वहीं मीठी मूली में उसका मुख्य औषधीय गुण जो भूख बढ़ाने के लिए काम करता है वह नहीं होता।

अध्ययन में पाया गया कि खीरे में टेढ़ापन मुख्य रूप से फल मक्खी के कारण होता है, जो खीरे का रस चूसकर वहां संक्रमण फैलाती है। इससे खीरे की कोशिकाओं में खराबी आ जाती है और फल सिकुड़कर विकृत हो जाता है। इसके साथ ही पौष्टिकता और कड़वाहट भी प्रभावित होती है। सीएसए के पादप रोग एवं कीट विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. मुकेश श्रीवास्तव के अनुसार खीरे में कड़वाहट एल्कोलाइड के कारण होती है जो पाचन में मदद करते हैं।

यह ध्यान रखें

- सीधे आकार का ही खीरा लें।
- टेढ़ा खीरा ले लिया है तो उतना हिस्सा काटकर निकाल दें।
- मूली के पत्तों में कीट के खाने की वजह से छेद हैं तो बेहतर।
- आलू, टमाटर, परवल आदि सब्जियां इतने आकार की लें कि मुट्ठी में आएं।
- कीड़े लगी सब्जियों का मतलब कि इस पर कीटनाशक नहीं डाला गया।

मूली की पौष्टिकता हो जाती है प्रभावित– वहीं मूली का तीखापन का कारण इसके उलट है। यह मुख्य रूप से एफिड्स कीट की गतिविधि से बनता है। जब ये कीट मूली के पत्ते खाते हैं तो लार छोड़ते हैं जो मूली के आइसोथायोसाइनेट एल्कोलाइड को सक्रिय कर देती है। यह एल्कोलाइड भूख बढ़ाने में मदद करता है। यदि कीट मूली को नहीं खाते, तो उसका तीखापन कम रहता है। हालांकि पत्ती पर कीटों के निशान होने से इसकी बिक्री में दिक्कत आती है। इस लिए किसान कीटनाशक का इस्तेमाल करते हैं। इससे मूली की पौष्टिकता प्रभावित हो जाती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564